तापमान
अधिकतम 37 .0 डिग्री
न्यूनतम 22 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 28 अप्रैल 2024

9 विदाई पार्टी में मिस्टर फेयरवेल अभिषेक और मिस फेयरवेल खुशप्रीत चुनी

9 चुनावी उत्सव चार्ट मेकिंग में महक और वनिता आगे

खबर संक्षेप

15 बोतल अवैध शराब के साथ एक आरोपित पकड़ा

जुलाना। जुलाना के मालवी गांव से 15 बोतल अवैध शराब के साथ पुलिस ने एक आरोपी को गिरफतार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि मालवी गांव में एक युवक अवैध शराब बेचने का काम करता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की तो एक युवक को काबू किया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 15 बोतल अवैध शराब की बरामद की।

मकान से गहने और नकदी चुराई

कैथल। श्याम कॉलोनी ढांड से चोर एक मकान से गहने और नकदी चुराकर ले गए। कॉलोनी के पाला राम ने पुलिस को शिकायत दी कि उसकी बेटी कुरुक्षेत्र में शादीशुदा है और वह बीमार थी। वह उसकी पत्नी के साथ बेटी से मिलने के लिए 20 अप्रैल को कुरुक्षेत्र चला गया। जब 25 अप्रैल को वे वापस आए तो देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था।

अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज

जुलाना। गांव भैरोखेड़ा के पास एनएच 152डी पर कार चालक को टक्कर मारने के आरोप में पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राजस्थान के झुंझनु जिले के हेजमपुरा निवासी सुनील ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गाड़ी चालक का काम करता है। वह वार्ड नंबर 18 तिबडान मोहल्ला जिला झुंझनु निवासी संदीप की गाड़ी चलाता है।

युवती से दुष्कर्म के आरोप में दो नामजद

कैथल। पुलिस ने युवती से दुष्कर्म के आरोप में दो व्यक्तियों को नामजद किया है। गुहला थाना के तहत आने वाले एक गांव निवासी 23 वर्षीय युवती ने पुलिस को शिकायत दी कि उसकी जान-पहचान रिंकू नाम के युवक से थी। उनका एक-दूसरे के घर आना-जाना था। पांच नवंबर 2023 को वह घर पर अकेली थी। इस दौरान आरोपी उनके घर पर आ गया।

सरकारी काम में बाधा डालने पर मामला दर्ज

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के मेहरड़ा गांव में बिजली कर्मचारियों का घर के बाहर मीटर लगाने का विरोध कर सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। बिजली निगम के एसडीओ अशोक कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि निगम द्वारा मेहरड़ा गांव में मेरा गांव जगमग गांव योजना के तहत काम चला हुआ था।

लिव इन में रहने वाले व्यक्ति पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

कैथल। सीवन थाना पुलिस ने एक विवाहिता से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ किया मामला दर्ज किया है। सीवन थाना पुलिस के तहत आने वाले एक गांव निवासी 35 वर्षीय महिला ने पुलिस को शिकायत दी कि करीब चार वर्ष पहले उसकी जान-पहचान सुखदेव नामक युवक के साथ हुई थी। वे एक-दूसरे के साथ लिव इन में रहने लगे।

घर में घुस महिला से दुष्कर्म, मामला दर्ज

जींद। शहर थाना इलाके में घर में घुस महिला के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। शहर थाना इलाका की महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात वह घर में अकेली थी।

थ्री व्हीलर चोरी का आरोपी 2 दिन के पुलिस रिमांड पर

कैथल। थ्री व्हीलर चुराने के एक मामले की जांच थाना शहर पुलिस के एचसी बलजोर सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी शक्ति नगर निवासी विकास उर्फ काशी को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया । पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि खुराना रोड़ कैथल निवासी मस्तराम की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

गांव अंटा के रहने वाले थे तीनों, मुआना स्थित हैचरी पर नाइट ड्यूटी पर जा रहे थे युवक

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक सवार दो भाइयों सहित तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

गांव मुआना के पास ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों मृतक युवक गांव अंटा के रहने वाले थे और रात को मुआना स्थित हैचरी में ड्यूटी करने जा रहे थे। मृतकों की पहचान नसीम (23), नजीम (18) व साहिल (19) के रूप में हुई है। मृतक नसीम व नजीम सगे भाई थे जबकि साहिल परिवार में उनका भाई लगता था। मामले की सूचना सफीदों पुलिस को दी गई। सूचना पाकर सदर थाना प्रभारी आत्माराम मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना करने के उपरांत तीनों युवकों के शव को सफीदों के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही थी। वहीं घटना की सूचना मिलने पर परिवार व गांव के लोग सुबह गांव मुआना स्थित हैचरी में पहुंचे और वहां पर खड़े ट्रैक्टर ट्रॉली व रीपर का मुआयना किया। ग्रामीणों ने शक जाहिर किया कि इसी ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकर उनके तीनों बच्चों की मौत हुई है। ट्राली पर खून के निशान हैं और एक युवक का अंग भी इसमें फंसा हुआ है। वहीं घटना की जानकारी एफएसएल टीम को भी दी गई। एफएसएल टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किए। गांव अंटा के लोगों का कहना था कि नसीम (23), नजीम (18) व साहिल (19) गांव मुआना स्थित हैचरी में रात्रि में काम करते थे। हर रोज की भांति तीनों बाइक पर सवार होकर ड्यूटी पर जा रहे थे कि रास्ते में हैचरी के पास एक ट्रैक्टर ट्राली रिपर के साथ उनके आगे-आगे जा रहा था कि तभी ट्रैक्टर ट्राली ने एकदम से कट मारा और पीछे आ रही तीनों युवकों की बाइक उसकी चपेट में आ गई। चपेट में आते ही तीनों युवक बुरी तरह से घायल हो गए। जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य की कुछ समय बाद मौत हो गई। घटनास्थल पर काफी तादाद में लोग जमा हो गए। किसी ने मामले की सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर गांव अंटा से परिजन गांव मुआना पहुंचे। उधर, पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्ज में लेकर नगर के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। उसके बाद शनिवार सुबह फिर से काफी तादाद में ग्रामीण व परिजन व पुलिस मुआना स्थित हैचरी में पहुंची। ग्रामीणों व परिजनों का आरोप था कि हैचरी में खड़े ट्रैक्टर व ट्राली की चपेट में आकर तीनों युवकों की मौत हुई है।

दो साल पहले हुई थी नसीम की शादी, आठ महीने का लड़का

सफीदों। नागरिक अस्पताल में जुटे ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

सफीदों। घटनास्थल का निरीक्षण करते एसएचओ आत्माराम। फोटो :हरिभूमि

साहिल, नजीम, नसीम का फाइल फोटो।

मामले की जांच जारी

सदर थाना प्रभारी आत्मा राम ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। तीनों के शवों को कब्जे में लेकर सफीदों के नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया था। शनिवार सुबह परिजनों ने एक ट्रैक्टर ट्राली व रिपर पर शक जाहिर करते हुए दोबारा घटनास्थल पर बुलवाया था। जहां पर एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया है। ब्यान के आधार पर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

परिजनों का रो रोकर बुरा हाल

तीनों युवक किसी तरह से मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। मृतक नसीम व नजीम के बीच के भाई रशीद ने बताया कि नसीम की शादी अभी दो साल पहले ही हुई थी। शादी के बाद अभी परिवार में आठ माह पहले लड़का होने पर खुशी हुई थी। नसीम व नजीम दोनों भाई ही परिवार का हैचरी में काम करके पालन पोषण कर रहे थे। उनके माता-पिता भी मजदूरी करते हैं। ऐसे में दोनों भाइयों की मौत के बाद परिवार पर गम का पहाड़ टूट पड़ा है और नसीम की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं मृतक साहिल के भाई सौयब ने बताया कि जब वे हैचरी में नहीं पहुंचे तो हैचरी मालिका का फोन उसके पास आया तो उसने तुरंत अपने भाई साहिल के पास फोन किया तो उसका फोन किसी अज्ञात राहगीर द्वारा उठाया गया। जिसने कहा कि आपके भाई व अन्य दोनों का एक्सीडेंट हो गया है। तुरंत अस्पताल में पहुंचे थे। शौयब ने बताया कि उसका भाई अविवाहित था जाकि पिछले तीन सालों से हैचरी में कार्य कर रहा था।

कैथल। क्रेन की सहायता से कार को निकालती मशीन। फोटो :हरिभूमि

कैथल : ट्रक के नीचे घुसी गाड़ी पूर्व एसआई,पत्नी-बेटी की मौत

कैथल। मोहना के पास नेशनल हाईवे 152 डी पर शुक्रवार देर सायं हादसे में खाटू श्याम से दर्शन कर लौट रहे पंचकूला के दंपती और बेटी की मौत हो गई। गांव मोहना के पास नेशनल हाईवे खड़े ट्रक से अचानक कर के टकराने से हादसा हुआ। पुलिस ने मामले में तुरंत चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जान शुरू कर दी है। मृतको की पहचान हरियाणा पुलिस में रिटायर्ड एसआई मनोज कुमार उनकी पत्नी उर्मिला दत्त और बेटी चेतना के रूप में हुई है। हरियाणा पुलिस में कार्यरत महिला उर्मिला दत्त सब इंस्पेक्टर के तौर पर पंचकूला स्थित हरियाणा पुलिस के टेलीकॉम वायरलेस कार्यालय में तैनात थी। थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि शुक्रवार सांय अचानक मौसम खराब हो गया था। इसके बाद करीब 6:30 बजे सड़क हादसे की सूचना मिली। सूचना के बाद वह अपने टीम के साथ मौके पर पहुंचे यहां एक कर हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसी थी। देखा तो इसमें तीन लोग सवार थे जो गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। इसके बाद उन्होंने बाहर निकाला तो देखा कि तीनों ने दम तोड़ दिया। इसके बाद एंबुलेंस के माध्यम से पुंडरी के सरकारी अस्पताल में भिजवाया गया। इस मामले में ट्रक चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है।

जींद। पलटा हुआ ट्रक। फोटो :हरिभूमि

गेहूं की बोरियों से भरा ट्रक पलटा

सफीदों। नगर के जींद रोड़ पर सिंघाना मोड़ के गेंहू की बोरियों से भरा एक ट्रक पलट गया। गनीमत तो यह रही कि जानमाल का कोई बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ट्रक के पलटने का कारण टायर फटना बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार सफीदों की तरफ एक गेंहू की बोरियों से भरा एक बड़ा ट्रक जींद की तरफ जा रहा था कि सिंघाना मोड के पास अचानक ट्रक का टायर फट गया और ट्रक का पिछला हिस्सा अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक की बॉडी पलटते ही उसमें भरी गेंहू की बोरियां सड़क के साईड में बिखर गई। घटना होते ही काफी तादाद में लोग मौके पर जमा हो गए। इस घटना में किसी को भी कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। वहीं ट्रक में से बिखरी बोरियों को दूसरे ट्रक में लदवाकर भिजवाया गया।

नाले ओवरफ्लो होने से घरों में घुसा दूषित पानी

राजौंद। राजौंद के जींद रोड पर वार्ड नंबर 7 के नाले ओवरफ्लो होने से घरों में पानी घुस रहा। नालों की सफाई को लेकर वार्ड निवासी बलबीर रणवीर सुनैहरा, कृष्ण, कैकन , मदन रामफल रवि सुभाष मोनू ने बताया कई बार उच्च अधिकारियों को भी अवगत करवा चुके हैं। लेकिन कोई सुनाई नहीं हो रही। गंदा पानी घरों में घुसने की वजह से मच्छरों की भरमार हो रही है बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। इस बारे वार्ड निवासियों ने कहा कि यह आरक्षित वार्ड होने के कारण इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।इन लोगों ने कहा कि अगर वार्ड के नालों की सफाई शीघ्र नहीं हुई तो फिर वह सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेवारी प्रशासन की होगी। इस बारे पार्षद कर्मावती ने बताया कि लगातार वार्ड के लोगों की शिकायत उन्हें मिलती है जिस बारे वह उच्च अधिकारियों से बात करते हैं लेकिन अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। कहा कि कई महीनों से यहां सफाई कर्मचारी सफाई नहीं कर रहे। जिससे यह समस्या उत्पन्न हो रही है।

जींद पुलिस ने चलाया ऑपरेशन आक्रमण

- 58 टीमें नियुक्त कर अलग-अलग मामलों में 40 आरोपितों को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के आदेशानुसार शनिवार को जिला जींद में ऑपरेशन आक्रमण के तहत 58 टीमें नियुक्त कर अलग-अलग मामलों में 40 आरोपितों को किया काबू कर 30 मामले दर्ज किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिला पुलिस की विभिन्न टीमों ने सुबह छापेमारी करके 40 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिसमें पुलिस ने 283 बोतल अवैध, 8.75 बोतल नाजायज शराब व 595 लीटर लाहण बरामद करके 24 आरोपितों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं डिटेक्टिव स्टाफ जींद ने एक आरोपित को अवैध असलहा सहित काबू करके उसके कब्जे से एक पिस्तोल 32 बोर बरामद की है। एक मामला जुआ अधिनियम के तहत दर्ज करके आरोपित से जुआ राशि 1080 रुपये बरामद की है। सीआईए स्टाफ जींद ने इंचार्ज मनीष कुमार के नेतृत्व में प्रतिबंध दवाइयॉ बेचने वालों पर शिकंजा कसते हुए रेलवे स्टेशन जींद के पास से एक आरोपित को 864 प्रतिबंध कैप्सूल सहित पकड़ा है।

अवैध असलहा सहित पकडा आरोपित।

पशु चोर गिरोह के दो काबू

सीआईए सफीदों इंचार्ज कमल की टीम ने एक भेड़.बकरी चोरी गिरोह के दो सदस्यों को काबू किया है उन्होंने गांव गांगोली से एक बाडे से करीब 11 बकरी चोरी की हैं। आरोपितों से एक गाड़ी पिकअप भी बरामद की है। वहीं नरवाना में गांव दबलैन निवासी राममेहर पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सीआईए स्टाफ नरवाना की टीम ने हमले में शामिल दबलैन गांव के चार आरोपितों को काबू किया है। पकड़े गए आरोपिततों की पहचान गांव के ही अशोक, विनोद उर्फ मोदी, सतीश व सतपाल के रूप में हुई है।

घाटों को पक्का करने व सब समस्याओं का समाधान करने का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के अध्यक्ष मदन मोहन छाबड़ा ने आज श्री ग्यारह रुद्री मंदिर में शिरकत की और कमेटी पदाधिकारियों से बातचीत की। मंदिर कमेटी पदाधिकारी रामप्रकाश गोगी, अजीत सिंह, चमेल सिंह, भगवान दास, रमेश गोलन ने बताया कि अध्यक्ष को अवगत करवाया गया है कि यहां के घाटों को पक्का किया जाए। के.डी.बी. के अध्यक्ष मदन मोहन छाबड़ा ने मौके पर ही नक्से व एस्टीमेट बनवाने की बात कही और जल्द ही सभी समस्याओं का समाधान करने व घाटो को पक्का करने का आश्वासन दिया। मदन मोहन छाबड़ा ने बताया कि पिछले कुछ सालों में के.डी.बी. ने अपनी पहचान बनाई है और तीथार्ं पर विकास कार्य कराए हैं। रामप्रकाश गोगी ने कहा कि मदन मोहन छाबड़ा 2018 में पहली बार 2 साल के लिए मानद सचिव नियुक्त किए थे। उनके काम को देखते हुए उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया था।

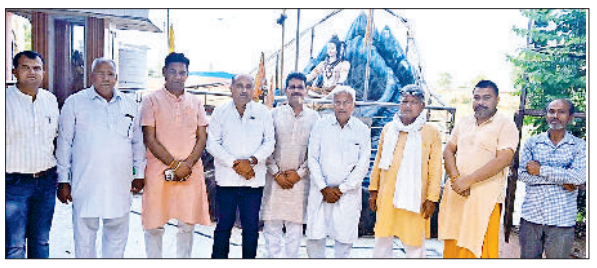

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के अध्यक्ष मदन मोहन छाबड़ा के साथ मंदिर कमेटी पदाधिकारी।

दो सड़क हादसों में बुजुर्ग और एक युवक की मौत

कैथल। दो जगहों पर हुए हादसों में एक बुजुर्ग व एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पहले मामले में गांव तितरम निवासी रोशन ने पुलिस को शिकायत दी कि वह तितरम मोड़ पर फलों की रेहड़ी लगाता है। वह हर रोज जींद-कैथल रोड पर घुमने जाता है। 26 अप्रैल को वह घूमने के लिए गया हुआ था। वहां अज्ञात कार चालक ने लापरवाही व तेजगति से कार चलाते हुए एक अज्ञात बुजुर्ग को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बुजुर्ग की मौत हो गई। कार चालक मौके से भाग गया। बाद में मृतक की पहचान सौंगरी निवासी पाला के रूप में हुई। जांच अधिकारी रोहताश ने बताया कि पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नशीली गोलियों के साथ स्पलायर चढ़ा पुलिस के हत्थे, दो दिन के रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- आरोपित के कब्जे से 648 ग्राम नशीली गोलियां बरामद

सीआईए स्टाफ ने रेलवे रोड पर एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से 648 ग्राम नशीली प्रतिबंधित गोलियां बरामद की हैं। आरोपित दिल्ली से नशीली गोलियां लाकर शहर में स्पलाई करता था। शहर थाना पुलिस ने पकड़े गए युवक के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया। जहां पुलिस की अपील पर आरोपित को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि हकीकत नगर निवासी दीपक दिल्ली से प्रतिबंधित गोलियां लाकर शहर में सप्लाई करता है। जो दिल्ली से नशीली गोलियां लेकर अपने घर जाएगा। सूचना के आधार पर पुलिस ने रेलवे रोड के राधा कृष्णा मंदिर के पास रेलवे जंक्शन की तरफ से आने वाले लोगों पर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद एक युवक रेलवे जंक्शन की तरफ से आता दिखाई दिया। जो पुलिस गाड़ी को देख कर वापस जाने लगा। पुलिसकर्मियो ने युवक को काबू कर लिया। पुलिसकर्मियों ने युवक के हाथ में लिए पॉलीथिन की तलाशी ली तो उसमें प्रतिबंधित नशीली गोलियों के 108 पत्ते मिले। जिनमें 864 कैप्सूल थे। जिसका वजन 648 ग्राम पाया गया। पुलिस पूछताछ में युवक की पहचान हकीकत नगर निवासी दीपक के रूप में हुई। शहर थाना पुलिस ने दीपक के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ प्रभारी मुनीष कुमार ने बताया कि आरोपित को सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर अदालत से दो दिन के रिमांड पर लिया है।

ओलावृष्टि और बरसात से तूड़ी बनाने का काम प्रभावित

बारिश से मंडियों में भीगा किसानों का पीला सोना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पश्चिमी विक्षोभ के चलते जींद के कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि के साथ बारिश हुई तो कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हुई। जिससे मंडियों में पड़ा गेहूं भीग गया। अलेवा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 10.6 एमएम बारिश दर्ज की गई तो नरवाना और उचाना में एक-एक एमएम दर्ज की। जींद, उचाना, सफीदों, पिल्लूखेड़ा में बूंदाबांदी दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार आज और कल भी बारिश के आसार बने रहेंगे। अगले कुछ दिनों के लिए तूड़ी बनाने का काम प्रभावित हो गया है। वहीं खुले में रखे गेहूं को सूखने में भी कुछ समय और लगेगा। शुक्रवार देर शाम को ही मौसम ने मिजाज बदलने शुरू कर दिए थे और आठ बजे गरज व चमक के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। रात को कहीं-कहीं तेज बारिश तो कहीं ओलावृष्टि भी हुई। हालांकि यह कुछ समय के लिए ही हुई अनाज मंडियों, सायलो में खुले में रखा गेहूं भीग गया। हालांकि बारिश ने कुछ हद तक गर्मी से राहत दी और मौसम सुहाना हो गया। शनिवार को पूरा दिन सूर्य देवता बादलों के बीच अटखेलियां करते रहे।

जींद। खुले आसमान के नीचे किसानों का पीला सोना। फोटो :हरिभूमि

तापमान में दो डिग्री की गिरावट

शनिवार को अधिकतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट आई और तापमान 37 डिग्री पर आ गया। जबकि न्यूनतम तापमान में भी एक डिग्री की गिरावट आई और यह 22 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 21 प्रतिशत तथा हवा की गति 11 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। आकाश में छाए बादलों से बारिश के आसार भी बने रहे। मौसम विभाग के अनुसार मौसम परिवर्तनशील रहने के साथ शनिवार को भी बादलवाई आकाश में दिखाई देगी।

जींद। पानी के सैंपल लेते स्वास्थ्य कर्मी। फोटो :हरिभूमि

स्वास्थ्य विभाग ने अभियान चला लिए पानी के सैंपल

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के छत्रपति छात्रावा की पानी की टंकी में मिले मृत बंदर के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अपने स्तर पर अब शहरभर में स्पेशल अभियान चला पानी की टंकियों को जांचने का काम किया। विभाग की टीमों ने जगह-जगह पानी की टंकियों से पानी के सैंपल लिए और जांच के लिए लैबोरेटरी भेजे। इसके अलावा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने दूषित पानी पीने से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए विशेष अभियान चला कर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पीने के पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए हैं। गौरतलब है कि तीन दिन पहले चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की पानी की टंकी में बंदर मृत पाया गया था। जिससे बीमारी फैलने की आशंका थी। ऐसे में सवास्थ्य विभाग ने सिविल सर्जन डा. गोपाल गोयल के निर्देशानुसार तथा स्वास्थ्य निरीक्षक राममेहर वर्मा की अगुवाई में जिलाभर में पानी की टंकियों को जांचने का काम किया। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जहां दूषित पानी पीने से होने वाली डायरिया, हैजा व पीलिया जैसी बीमारियों से निजात पाने के लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों ने शहर की विभिन्न कालोनियों में घर-घर जाकर लोगो को इन बीमारियों से बचाने के अलावा मच्छर जनित रोगों के प्रति भी आम जन मानस को जागरूक करने का कार्य किया।

खबर संक्षेप

स्कूल से मिड-डे मील राशन तथा बर्तन चोरी

जींद । राजकीय स्कूल अलेवा का बीती रात चोरों ने ताला तोड़ कर मिड-डे मील तथा राशन को चोरी कर लिया। स्कूल मुखिया की शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्कूल के मुखिया कर्म सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया की बीती रात चोरों ने स्कूल के मिड-डे मील कमरे का ताला तोड़ कर मिड-डे मील, बर्तन व अन्य सामान को चोरी कर लिया।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले को भेजा जेल

जींद। सदर थाना पुलिस ने पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपित पति को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गांव बाहरी करनाल निवासी रामस्वरूप ने पुलिस को बताया था कि उसकी बेटी की शादी वर्ष 2007 में कृष्ण के साथ हुई थी। जिसके बाद घरेलू कलह के चलते कविता सात साल तक मायके रही।

दो फोन तथा चप्पल छोड़ भागा घर में घुसा संदिग्ध

जींद। गांव अमरगढ़ में बीती रात घर में घुसे युवक को टोका तो हमला कर घायल कर दिया। हाथापाई के दौरान हमलावर के दो मोबाइल फोन तथा चप्पल वहीं छूट गई। जिसके बाद आरोपित दीवार फांद कर गली में खड़े अपने बाइक सवार युवकों के साथ फरार हो गया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने घायल युवक की शिकायत पर एक युवक को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ससुरालियों ने दामाद को धुना, चार नामजद

जींद। हनुमान नगर में ससुरालीजनों मकान में घुस कर दामाद की बेरहमी से धुनाई कर डाली। आरोपितों की बेटी ने घायल से प्रेम विवाह किया हुआ है। पुलिस ने घायल की शिकायत पर सास, ससुर समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सुरेंद्र ने पुलिस को बताया कि उसने मोहल्ले की ही रितू से लगभग सवा साल पहले प्रेम विवाह किया था।

खापड़ पहुंचे दुष्यंत चौटाला का स्वागत

उचाना। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक दुष्यंत चौटाला ने एक दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तहत हलके के खापड़, झील गांव के दौरे किए। यहां पहुंचने पर ग्रामीणों, कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बुजुगार्ें के साथ मिलकर उनकी समस्याओं को जानते हुए भी पूर्व उप मुख्यमंत्री दिखाई दिए। फूलों की बारिश के साथ कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

बाइक चालक को टक्कर मारने पर मामला दर्ज

जुलाना ।जैजैवंती के पास बाइक चालक को टक्कर मारने के आरोप में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव गतौली निवासी सुरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता कृष्ण बाइक पर सवार होकर जुलाना से गांव की ओर जा रहा था जब वह जैजैवंती गांव के पास पहुंचा तो गलत दिशा में एक टाटा ऐस चालक उसके पिता की बाइक को टक्कर मार दी।

रोशन लाल सर्वसम्मति से बने प्रधान

नरवाना। शनिवार को नरवाना हजुर मस्जिद कमेटी नरवाना की एक बैठक बुलाई गई। जिसमें सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन किया गया। बैठक में हर जुम्मे पर नई कमेटी को बनाने का एलान किया गया और सभी सदस्यों की राय ली गई। मौ'ाद सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से रोशन लाल को प्रधान बनाने पर सहमति जताई।

मॉडल स्कूल में सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन

जींद। डीएन मॉडल स्कूल में सभी बच्चों में लिखने के प्रति रुझान पैदा करने के लिए सामूहिक सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा छठी से कक्षा आठवीं तक के सभी बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। सुलेख प्रतियोगिता को लेकर बच्चों में उत्साह और जोश दिखाइ दिया।

अधिकारियों को दिया ईवीएम का हैंडऑन प्रशिक्षण

चुनाव शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने के लिए ईवीएम प्रशिक्षण जरूरी : डीसी

मास्टर ट्रेनर्स ने कर्मचारियों को सीयू, बीयू, वीवीपैट, ए ईवीएम तथा विभिन्न प्रपत्रों के बारे में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। चुनावकर्मियों को दिशा-निर्देश देते जिला निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद इमरान रजा।

जींद। चुनाव कर्मियों को ईवीएम मशीन का लाइव डैमो देते हुए।

प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय में जिला निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद इमरान रजा के निर्देशानुसार शनिवार को लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत पीठासीन (पीओ) और सहायक पीठासीन अधिकारियों (एपीओ) के लिए दूसरे दिन ईवीएम व वीवीपैट पायलट रिहर्सल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद इमरान रजा ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है और चुनाव में ड्यूटी लगना अपने आप में गर्व का विषय है। जिले में निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शिता के साथ मतदान प्रक्रिया पूर्ण करवाने के लिए पोलिंग पार्टियों को संवेदनशीलता व गंभीरता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि मतदान बूथ के लिए रवाना होने के बाद पोलिंग पार्टियां केवल निर्धारित वाहन में ही जाएं। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी सभी कर्मचारी और अधिकारी आयोग द्वारा जारी इन्फार्मेशन हैंडबुक को ध्यान से पढ़ें।

जींद के एसडीएम राकेश सैनी ने कहा कि चुनावी ड्यूटी में नियुक्त सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी निष्ठा व लग्न के साथ-साथ बड़ी ही सावधानी पूर्वक कार्य करें। चुनाव के दौरान ईवीएम खराब होने की स्थिति में नियमानुसार कार्य करें और अविलंब एआरओ को सूचित करें। उन्होंने बताया कि यदि मतदान के दौरान बीयू, सीयू खराब होता है तो पूरा सेट बदलना जरूरी है। जबकि वीवीपैट खराब होने की स्थिति में केवल वीवीपैट बदलना जरूरी है।

उन्होंने पीओ व एपीओ को उन दस्तावेजों की जानकारी दी जिनके आधार पर कोई भी मतदाता मतदान करने का अधिकार रखता है। यदि कोई मतदाता बूथ में आने के बाद वोट डालने से इंकार कर देता है तो उस स्थिति में की जाने वाली कार्यवाही, उम्र को लेकर दी जानी वाली चुनौती, टेंडर वोट, ईवीएम व वीवीपैट को सील की जाने वाली प्रक्रिया, चुनाव प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न प्रकार के फार्मोर् आदि के बारे में भी बताया।

निर्धारित बूथ पर एक दिन पहले पहुंचेंगी पोलिंग पार्टी

उन्होंने पीओ तथा एपीओ को बताया कि उन्हें मतदान से एक दिन पहले निर्धारित बूथ पर पहुंचना होगा। जिस भी स्कूल, धर्मशाला, सामुदायिक केंद्र आदि में पोलिंग बूथ बनाया गया है उसकी परिधि से 200 मीटर की दूरी पर ही राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की ओर से निर्धारित आकार में टेंट लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र पर ईवीएम व वीवीपैट को धूप, लाइट व मतदान केंद्र की खिडकी के पास नहीं रखा जाना चाहिए। यदि किसी बूथ के बाहर मतदाताओं की लाइन लगी हो तो नियमानुसार वोट डलवाना सुनिश्चित करें। पीओ जिस भी फार्म 17ए व 17सी आदिको भरें उस पर पोलिंग एजेंट के हस्ताक्षर अवश्य कराएं।

ईवीएम जीपीएस लगे वाहन में मूवमेंट करेगी

ईवीएम केवल जीपीएस लगे निर्धारित वाहन में सुरक्षा बलों के साथ ही मूवमेंट करेगी। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सेशनवाइज सभी पीठासीन व सहायक पीठासीन अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया से संबंधित नियमों की जानकारी देने के साथ साथ ईवीएम व वीवी पैट की हैंडलिंग के लिए तकनीकी रूप से भी कुशल बनाया जा रहा है।

एक घंटा पहले होगी मॉक पोल प्रक्रिया

अधिकारियों को ट्रेनर्स ने बताया कि वे मतदान से एक घंटा पहले मॉक पोल की प्रक्रिया को एजेंटों की मौजूदगी में पूरा करें। इस प्रक्रिया को नोटा (नन ऑफ द अबव) सहित 50 वोटों को समान रूप से बांट कर पूरा किया जाना चाहिए। मॉक पोल के दौरान किए गये वोट तथा वीवी पैट से निकलने वाली पर्चियों व कंट्रोल यूनिट में कुल वोट का मिलान होने पर पोलिंग एजेंट के हस्ताक्षर जरूर कराएं। मॉक पोल के बाद इसका रिकॉर्ड भी रखें। मॉक पोल की स्लिप के पीछे मुहर लगा कर उसे काले रंग के लिफाफे में सील बंद करके रखें।मास्टर ट्रेनर ने निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्वक ढंग से चुनाव संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को पावर प्वायंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दायित्वों से अवगत कराया।

जींद। कार्यक्रम की सफलता को लेकर बैठक करते हुए सृष्टि फाउंडेशन की टीम।

खोया-खोया चांद कार्यक्रम आज

- कार्यक्रम में स्थानीय तथा बाहर से आए कलाकार बिखरेंगे रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

समाजसेवी संस्था सृष्टि फाउंडेशन द्वारा शहर में 28 अप्रैल रविवार को सायं सात बजे गजलों भरी महफिल खोया-खोया चांद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर सृष्टि पिछले एक सप्ताह से जुटी है। इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों के अलावा बाहर से आए कलाकारों द्वारा अपनी आवाज का जादू बिखेरा जाएगा। इस कार्यक्रम में जहां लोगों को नेत्रदान के प्रति प्रोत्साहित किया जाएगा वहीं नेत्रदान की महत्ता से भी अवगत करवाया जाएगा। सृष्टि फाउंडेशन के प्रवक्ता बलविंदर सिंह ने कहा कि संस्था द्वारा सामाजिक कायार्ें में बढ़चढ़ कर भाग लिया जाता है। सृष्टि नयना प्रोजेक्ट चलाए हुए है। जिसके तहत नेत्रदान करवा कर अबतक 30 लोगों की जिंदगी में उजियारा लाया जा चुका है। इसके अलावा समय-समय पर सामाजिक सरोकारों को लेकर भी कार्क्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि नागरिक अस्पताल के सिविल सर्जन डा. गोपाल गोयल व मधु गोयल होंगे तथा डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, सीमा भोला एवं महावीर कंप्यूटर सम्मानित अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इसके अलावा कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि के रूप में शहर के उद्योगपति एवं समाजसेवी वरदान अस्पताल की डायरेक्टर मीना शर्मा, पवन गर्ग, रमेश सेहरावत, गगन बैरागी तथा विनोद गर्ग गजल कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। सृष्टि फाउंडेशन के संयोजक डा. विवेक सिंगला ने बताया कि भाग दौड़ भरी इस जिंदगी में दो पल सकून के मिले, इसी उद्देश्यय को लेकर अर्बन एस्टेट स्थित अग्रवाल धर्मशाला में खोया-खोया चांद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम पूर्ण रूप से पारिवारिक है और इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले कलाकारों में वीना भारद्वाज, मनोज भारद्वाज, नीरज शर्मा, विनय अरोड़ा, सिंदर जींद से व मनोज जाखड़, मयंक सफीदों से तथा पानीपत से राजकुमार भारद्वाज शामिल रहेंगे।

राजकीय कॉलेज में एमओयू संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

राजकीय महाविद्यालय सफीदों ने महत्वपूर्ण सांझेदारी का शुभारंभ किया है। जिसमें केएनपी ग्लोबल कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड से एक एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) संपन्न हुआ है। इस एमओयू के तहत दोनों संगठनों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की गई घोषणा की गई है। मेमोरेंडम के अनुसार केएनपी ग्लोबल कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड महाविद्यालय के छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी और पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इसके अलावा कंपनी छात्रों को करियर प्लेसमेंट के अवसरों की सहायता भी करेगी। राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा ने बताया कि इस सांझेदारी से छात्रों के लिए एक अनमोल अवसर बताया। इस सांझेदारी के माध्यम से हम छात्रों को नवाचारी और उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करेंगे, जो उनके करियर में नई ऊंचाइयों की ओर ले जाएगा। इस एमओयू का हस्ताक्षर समारोह महाविद्यालय कैंपस में आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालय की ओर से प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा, प्रदीप मान एवं राजीव कुमार मौजूद रहे।

जींद। एमओयू करते हुए राजकीय कॉलेज प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा व केएनपी ग्लोबल कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड के कर्मी। फोटो :हरिभूमि

आज एसकेएम का सम्मेलन होगा

नरवाना। शनिवार को भी तहसील कार्यालय में संयुक्त किसान मोर्चा ने 737 वें दिन सरकार से अपनी मांगो को लेकर अपना धरना जारी रखा। यह धरना मास्टर बलबीर सिंह रा'य अध्यक्ष अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा के नेतृत्व में जारी रहा। धरने की अध्यक्षता बलदेव सिंह इस्माइलपुर ने की और मंच संचालन महेन्द्र सिंह धर्मगढ़ ने किया। राजकुमार श्योकंद रा'य उप प्रधान रिटायर्ड कर्मचारी। संघ हरियाणा ने मंच सांझा करते हुए बताया कि अपने-अपने संगठनों को मजबूत करने की जरूरत है क्योंकि धनबल को जनबल से ही हराया जा सकता है। वहीं धरने में मास्टर बलबीर सिंह रा'य अध्यक्ष किसान सभा ने कहा 28 को ˝ एसकेएम हरियाणा का सम्मेलन होगा।

पुनीत ने जेईई मेंस में पाया प्रथम स्थान

- अकादमी के 85 प्रतिशत छात्रों ने की परीक्षा पास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

ईफा अकेडमी के छात्रों ने जेईई मैन्स की परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार के साथ-साथ संस्थान का भी नाम रोशन कर दिया है। हाल ही में जारी हुए जेईई मेंस के परीक्षा परिणाम में संस्थान के 85 प्रतिशत छात्रों ने सफलता हासिल की है। इसी संस्थान के छात्र पुनीत खत्री ने संस्थान में प्रथम स्थान हासिल कर अपने माता-पिता के साथ परिवार का भी नाम रोशन कर दिया है। जींद जिले के तलौडा गांव के रहने वाले पुनित खत्री ने बताया कि वह जेईई मेंस की परीक्षा की तैयारी हेतु अपने शिक्षकों के निर्देशों का पालन करते हुए प्रतिदिन 12 घंटे पढ़ाई करता था। उन्होंने कहा कि मेरी सफलता के पीछे मेरे शिक्षकों और मेरे परिवार का भी अहम योगदान है।

ईफा अकादमी के चेयरमैन एसके मिश्रा और निदेशक नेहा शर्मा ने बताया कि ईफा अकादमी के छात्र पुनित खत्री ने संस्थान में प्रथम स्थान हासिल कर अपना, संस्थान और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है।

चेयरमैन एसके मिश्रा ने कहा कि आज अकेडमी के 85 प्रतिशत छात्रों ने सफलता हासिल की है। हमारा संस्थान बच्चों और उनके अभिभावकों के भरोसे पर साल दर साल खरा उतर रहा है।

जींद। बेहतरीन रिजल्ट आने पर खिलखिलाते हुए छात्र। फोटो :हरिभूमि

जींद। बैठक में भाग लेते ऑल इंडिया लायर्स यूनियन के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

भाजपा राज में संघवाद और संसदीय जनतंत्र खतरे में

जींद। जिला बार रूम में ऑल इंडिया लायर्स यूनियन (एआईएलयू) रा'य कॉसिल हरियाणा की बैठक यूनियन के रा'य प्रधान गुरमेज सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन रा'य सचिव एडवोकेट कुलदीप राणा ने किया। बैठक में मुख्य वक्ता के तौर पर यूनियन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल चौहान शामिल हुए। अनिल चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने संविधान व लोकतंत्र पर एक के बाद एक हमले करते हुए संवैधानिक संस्थाओं को बेहद कमजोर कर दिया है जो सरकार के इसारे पर चलती है। सरकार एक तरफ न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कुचल कर मन माफिक फैसले करवाना चाहती है वहीं दूसरी ओर जनता व संविधान के प्रति जवाबदेही को खत्म कर देना चाहती है। सरकार ने अपने निहित स्वार्थ की पूर्ति के लिए संविधान की मूल भावना के खिलाफ जाकर अनेकों कानून बनाए व संशोधित किए। उनमें से कुछ का जिक्र देश के आम चुनाव के समय अति महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या हमें ऐसी सरकार नहीं चुननी चाहिए जो जनता के हित में कानून बनाए, सोचे और कम करें। उन्होंने कहा कि आम चुनाव के मौके पर हमें उन कानूनों पर बात करनी चाहिए जिनका हमारे संविधान, लोकतंत्र और जिंदगी से सीधा रिश्ता है। हाल में पास हुए तीन फौजदारी कानूनों के संशोधन को वापस लेने व हरियाणा रा'य के अलग हाईकोर्ट बनाए जाने का प्रस्ताव पास किया।

धर्म और न्याय का मार्ग अपनाएं: रघुवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

समाजसेवी एवं कांग्रेस प्रदेश कमेटी के सदस्य रघुबीर भारद्वाज ने कहा कि धार्मिक स्थलों की यात्रा से निश्चित तौर पर व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को तीन माह के दौरान भागदौड़ भरी जिंदगी में एनर्जी भरने के लिए निश्चित तौर पर धार्मिक यात्राएं करनी चाहिए। भारद्वाज ने ये वक्तव्य अग्रवाल धर्मशाला से अयोध्या में रामलला के दर्शन कराने वाली बस को हरी झंडी दिखाने से पहले श्रद्धालुओं को कहे। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति को न्याय के साथ चलना है और अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़नी है तो उसे धार्मिक आयोजनों में शिरकत कर एनर्जी लेनी होगी। क्योंकि प्रभुराम ने अन्याय करने वाले और अहंकार के रास्ते पर चलने वालों के खिलाफ शस्त्र उठाये थे। भगवान श्रीकृष्ण ने पांडवों का इसलिए साथ दिया था कि वे धर्म और न्याय के साथ चल रहे थे। इसलिए आमजन को धर्म की राह पर चलते हुए दमनकारियोंए तानाशाही करने वालों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। जिस दिन लोग अन्याय के खिलाफ खुल कर बोलने लगेंगे उस दिन अहंकारी किस्म की शक्तियां खुद ब खुद पीछे हट जाएगी। इस मौके पर अग्रवाल धर्मशाला सभा के प्रधान राकेश सिंगला, सोमदत्त शास्त्री, डा. जितेंद्र, सतीश भारद्वाज, विनु, सुशीला चौधरी, स्नेहा मिश्रा, कमलेश गौतम, नरेंद्र जागलान, प्रदेश शर्मा आदि श्रद्धालु मौजूद थे।

जींद। श्रद्धालुओं से भरी बस को रवाना करते रघुवीर भारद्वाज। फोटो :हरिभूमि

जींद। हिंदू कन्या कॉलेज में आयोजित एग्जीबिशन और ड्रेस कंपटीशन में प्राचार्या डा. पूनम मोर के साथ छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

एग्जीबिशन और ड्रेस कंपटीशन का आयोजन

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में शनिवार को एग्जीबिशन और ड्रेस कंपटीशन का आयोजन किया गया। अध्यक्षता फेशन डिजाइनिंग इंचार्ज आरती सैनी व संयोजिका सुदेश कुमारी द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्या डा. पूनम मोर ने किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने भारतीय, पश्चिमी सभ्यता व संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न प्रकार की पौषाकों का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने दामन कुर्ता, छोटे बच्चों की फ्रॉक, स्कर्ट चोली, अंबेला सूट, लांचा तैयार किए। प्राचार्या डा. पूनम मोर ने छात्राओं को बताया कि इस प्रकार की फैसी ड्रेस बना कर फैशन डिजाइनिंग में रोजगार का साधन बना सकते हैं और अपने माता-पिता की आय को भी बचा सकते हैं। उन्होंने बताया कि फैशन डिजाइनिंग कोर्स यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त एड ऑन कोर्स है। यह महाविद्यालय में 2007 से 2008 से सुचारू रूप से चल रहा है। इसके तहत समय-समय पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करवाई जाती है। प्रत्येक वर्ष छात्राओं द्वारा तैयार की गई ड्रेस से प्रदर्शनी व फैशन शो करवाया जाता है। कार्यक्रम में डा. सुषमा हुड्डा, रेखा सैनी, डा. गीता गुप्ता, अंजली, डा. सीमा दलाल, डा. अंशु, रमन मौजूद थी।

आधारशिला स्कूल में राजस्थानी कठपुतली फेस्टीवल का आयोजन

पोक्सो एक्ट एवं मतदान के लिए किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आधारशिला पब्लिक स्कूल और शेडो चिल्ड्रन रिसर्च सेंटर फॉर थिएटर एंड टीवी द्वारा राजस्थानी कठपुतली फेस्टीवल का आयोजन किया गया। जिसमें अमरसिंह राठौड़ की कहानी, पोक्सो एक्ट एवं मतदान के लिए भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आधारशिला की निदेशक अंजू सिहाग ने की जबकि मुख्यअतिथि के रूप में प्रो. रोशनलाल श्योराण मौजूद रहे। कठपुतली का निर्देशन डा. हनीफ भट्टी ने किया।

डा. हनीफ भट्टी ने बताया कि भारत में चार प्रकार की कठपुतली खेली जाती है। जिसमे छड़ पुतली, छाया पुतली, दस्ताना पुतली, धागा पुतली शामिल है। कठपुतली प्रदर्शन के द्वारा शिक्षा के संबंधित विषय एवं व्यवहारिक विषय जैसे गुड टच-बेड टच, मतदान एवं अन्य विषय को आसानी से दिखाया जा सकता है। डा. हनीफ ने भी कठपुतली के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूक किया। स्कूल निदेशक अंजू सिहाग ने कहा कि विद्यार्थियों ने खूब मनोरंजन किया और इतिहास की कहानी से रूबरू हुए। इस अवसर पर राहुल, अभिषेक, सुनीता, प्रदीप लाठर, जितेंद्र बूरा आदि मौजूद रहे। राजा गज सिंह मुगल शासक शाहजहां के अधीन मारवाड़ क्षेत्र के शासक थे। उनके पुत्र अमर सिंह राठौड़ एक महान योद्धा और एक देशभक्त थे लेकिन उनके पिता ने उन्हें मुगलों से एक डाकू को बचाने के कारण रा'य से निर्वासित कर दिया था। बाद में वह शाहजहां की दिल्ली सल्तनत में शामिल हो गए। जहां उन्होंने शाहजहां को अपनी वीरता से प्रभावित किया। जिससे उन्हें नागौर का जागीरदार बनाया गया। हालांकि सम्राट के भाई सलाबत खान, रा'य में अमरसिंह राठौड़ के उत्थान से जलते थे और अमर सिंह को बदनाम करने का अवसर की प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें जल्द ही यह मौका मिल गया। जब अमर सिंह की अनधिकृत अनुपस्थिति के बारे में कुछ छोटी-छोटी बातों के बारे में पता चला। सलाबत खान ने एक मुद्दे के रूप में इसे इतना बढ़ा दिया कि शाहजहां ने सलाबत को अमर सिंह को दंड देने का आदेश दिया।

जींद। कठपुतली का प्रदर्शन करते हुए डा. हनीफ भट्टी। फोटो :हरिभूमि

जींद। सुधी शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। फोटो :हरिभूमि

फास्ट फूड से बचे, खान-पान को सही रखना चाहिए

जींद। आधारशिला विद्यालय में छात्राओं के स्वास्थ्य संबंधी सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में परामर्शदाता सुधी शर्मा ने छात्राओं को उनके मासिक धर्म से संबधित विभिन्न समस्याओं, उसके कारणों एवं उसके निवारण के विषय में जागरूक किया। उन्होंने छात्राओं को बताया कि ये सब प्राकृतिक है। हमें बेझिझक इस विषय में बात करनी चाहिए। हमें समय रहते अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना है ताकि हम भविष्य में किसी प्रकार की बीमारी से ग्रसित न होना पड़े। हमें फास्ट फूड से बचते हुए अपने खान-पान को सही रखना है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर घर में अपनी मां, बहन से बात करें। कार्यक्रम के अंत में निदेशिका अंजू सिहाग ने कहा कि हमें स्वयं के साथ-साथ औरों को भी इस विषय में जागरूक करना है। वर्तमान भागदौड़ भरी जिंदगी में हम व्यस्तताओं के चलते अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग नही है। उन्होंने सुधी शर्मा को स्मृति चिह्न भेंट किया।

खबर संक्षेप

भारतीय पोस्ट पेमेंट बैंक के साथ एक समझौता

कैथल। शिक्षा और वित्तीय समावेशन में एक नए युग की शुरूआत/" एक अभूतपूर्व कदम में, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर गवर्नमेंट कॉलेज कैथल ने भारतीय पोस्ट पेमेंट बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो शिक्षा और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य समुदायों में अधिक से अधिक वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हुए इंटर्नशिप कार्यक्रम और बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच की मदद से

साइबर अपराधियों से रहे सतर्कः एसपी उपासना

कैथल। आज के इस तकनीकी दौर में मनुष्य ज्यादातर मोबाइल फोन, लैपटॉप व कम्प्यूटर आदि पर निर्भर है और यह डिवाइस इंटरनेट से जुड़ी हुई हैं। इनके माध्यम से मनुष्य का जीवन काफी आसान हो गया है। इनके माध्यम से मनुष्य अपने रोजमर्रा के कार्य जैसे - बैंक से संबंधित कार्य, ऑनलाइन ऑफिस कार्य, नेट बैंकिंग, सोशल मीडिया आदि पर अपना कारोबार आदि कार्य घर बैठे ही बड़ी आसानी से कर लेता है। जिसके कारण व्यक्ति कई बार इंटरनेट पर गलती कर बैठता हैं। एसपी उपासना ने कहा कि साइबर अपराधी लोगों की इसी गलती के इंतजार में बैठे रहते हैं।

अन्याय के खिलाफ बोलना सिखाता है धर्म का रास्ता

उचाना। गांव घोघड़िया में सब यार्ड की मांग के लिए सीएम नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ सीएम आवास पर पंचायत की तरफ से प्रतिनिधि मंडल मिला। सीएम से मिलने वालों में रामकुमार घोघडिया, जोगीचंद, मंजीत शामिल थे। रामकुमार घोघडिया ने बताया कि सीएम को बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा 14 एकड़ जमीन सब यार्ड बनाने के लिए सरकार को दी है। जमीन देने के बाद भी इसको लेकर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से इसका निर्माण करवाया जाए।

एक झलक प्राचीनता की मुद्रा संग्रह का उद्घाटन किया

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में लगाई प्रदर्शनी

हमारे संग्रह में प्राचीन चीनी कैश सिक्कों, रोमन डेनारी, बिजंटीन सोलीडी, और कोलोनियल काल के नोटों के उदाहरण शामिल: प्राचार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी व प्रदर्शनी लगाते हुए।

पूंडरी। कार्यक्रम में भाग लेते हुए डी.ए.वी. स्कूल पूंडरी के नव आगंतुक विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

गांव जाखौली के आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में नवीनतम प्रदर्शनी एक झलक प्राचीनता की पुरानी मुद्रा संग्रह का उद्घाटन किया गया। प्राचीन सभ्यताओं के दिलचस्प बदले सिक्के से लेकर मध्यकालीन यूरोप के जटिल डिजाइन वाले सिक्कों तक प्रदर्शनी धन के विकास की दिशा में एक रोचक झलक प्रस्तुत किया गया है। आगंतुकों को विशेष रूप से देखने का मौका मिलेगा कि कैसे विभिन्न विश्वासियों के पुराने सिक्कों और नोटों के अद्वितीय अंश उनकी अपनी विशेष कहानी साझा करते हैं। स्कूल प्रधानाचार्य ओम प्रकाश ने बताया कि हमारे संग्रह में प्राचीन चीनी कैश सिक्कों, रोमन डेनारी, बिजंटीन सोलीडी, और कोलोनियल काल के नोटों के उदाहरण शामिल हैं।इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में इंटरैक्टिव डिस्प्ले और सूचनात्मक पैनल भी शामिल होंगे जो इन मुद्राओं के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व को गहराई से समझाने का प्रयास करेंगे। प्रधानाचार्य ओमप्रकाश शर्मा जी ने कहा कि हम संयुक्त रूप से यह अद्वितीय संग्रह सार्वजनिक के साथ साझा करने के लिए उत्साहित हैं। यह हमें इतिहास के प्राचीन सिक्कों और नोटों के द्वारा उनकी उत्कृष्टता और विविधता का मूल्यांकन करने का मौका देता है। एक झलक प्राचीनता की पुरानी मुद्रा संग्रह प्रदर्शन जनता के लिए खुलेगा। चाहे आप इतिहास प्रेमी हों, संग्रहक या सिर्फ मुद्रा के विकास की रोचक जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक हों, यह प्रदर्शन सभी के लिए एक आकर्षक अनुभव का वादा करता है। इस दौरान सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

नव आगंतुक विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम आयोजित

पूंडरी। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल पूंडरी में आज प्राचार्या साधना बख्शी के निर्देशानुसार नव आगंतुक विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में नव आगंतुक विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, गायन में भाग लिया। गायन में रचित प्रथम, नक्श द्वितीय व अंशुल तृतीय स्थान पर रहे, जबकि हिमांशु को सांत्वना पुरस्कार के नामित किया गया। नृत्य में अपेक्षा प्रथम, वरिंदा द्वितीय, रियांश तृतीय स्थान पर रहे। चक्षु को सांत्वाना पुरस्कार से नामित किया गया। नव आगंतुक विद्यार्थी इन कार्यक्रमों में भाग लेने को लेकर बहुत उत्साहित थे। इस अवसर पर स्कूल का अन्य स्टॉफ भी मौजूद रहा।

विधायक पर बोला जवाबी हमला

■ बोले: धोखा दुष्यंत ने नहीं बल्कि विधायक ईश्वर सिंह ने देवी लाल परिवार से दूसरी बार किया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

जजपा किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी अवतार चीका पत्रकारों से बातचीत करते हुए।

एक दिन पहले गुहला विधायक ईश्वर सिंह द्वारा पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला पर लगाए गए अनदेखी व वादा खिलाफी के आरोपों के बाद आज जजपा किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी अवतार चीका ने विधायक ईश्वर सिंह पर जवाबी हमला बोला। जजपा कार्यालय चीका में बुलाई गई प्रेस वार्ता में अवतार चीका ने कहा कि धोखा दुष्यंत ने नहीं बल्कि विधायक ईश्वर सिंह ने ताऊ देवी लाल परिवार से दूसरी बार किया है। अवतार चीका यहीं नहीं रुके, उन्होंने विधायक ईश्वर सिंह को एहसान फरामोश बताते हुए कहा कि 1977 में ताऊ देवी लाल ने ईश्वर सिंह को टिकट देकर विधायक बनाया था, लेकिन ईश्वर सिंह ने विधायक बनते ही ना केवल ताऊ देवी लाल की पीठ में छुरा घोंपा बल्कि भजन लाल की गोद में जा बैठे। अवतार चीका ने कहा कि उसके बाद ईश्वर सिंह ने आधा दर्जन पार्टियों की टिकट पर चुनाव लड़ा लेकिन एक बार भी जीत नहीं पाया। उन्होंने कहा कि 40 साल बाद 2019 में एक बार फिर देवी लाल के पोते दुष्यंत चौटाला ने ईश्वर सिंह को ना सिर्फ अपनी पार्टी का टिकट दे उसे विधायक बनवाया बल्कि उनके बेटे रणधीर सिंह को डेयरी विकास संघ का चेयरमैन और जजपा ने अपने चुनाव निशान पर ईश्वर सिंह की पुत्रवधू रेखा रानी को चीका नगरपालिका की चेयरपर्सन का चुनाव भी जितवाया।

पांच साल के बाद मतदान का मौका

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि लोकतंत्र प्रणाली में जनता सर्वोपरि होती है और एक-एक वोट का बड़ा महत्व होता है, इसलिए सभी मतदाताओं को लोकतंत्र के इस उत्सव में मतदान करके देश के प्रति अपने कर्तव्य का ईमानदारी से निर्वहन करें। चुनाव में मतदान करने का मौका 5 साल के बाद मिलता है। यह अवसर हमें गंवाना नहीं चाहिए बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करके अपने आप को गौरवान्वित महसूस करें। उन्होंने जिला के मतदाताओं से आह्वान करते हुए कहा कि मतदान करना उनका अधिकार है। हमारे देश में युवाओं की संख्या अधिक है, इसलिए भारत को युवा देश कहते हैं। इस बात को युवाओं को समझना होगा कि लोकतंत्र में भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत बनता है।

कैथल। एससी बीसी एकता मंच के पदाधिकारी विद्यार्थियों को पाठय सामग्री वितरित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

छात्रों को बांटी वर्दी और पाठ्य सामग्री

कैथल। एससी बीसी एकता मंच कैथल द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के मौके पर की गई घोषणा को व्यवहारिक रूप देने के लिए समस्त मंच के सदस्यों ने आज एसआरडी स्कूल प्रताप गेट कैथल में पहुंचकर सभा व स्कूल के प्रशासक आमेराम भुक्कल ने स्कूल द्वारा उपलब्ध कराई गई जरूरतमंद बच्चों को सूची के अनुसार बच्चों को पुस्तकें व वर्दियां वितरित की गई। वार्षिक परीक्षा में प्रत्येक कक्षा में अव्वल आने वाले बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एससी बीसी एकता मंच के कार्यकारी अध्यक्ष मान्यवर प्रेम जांगड़ा ने कहा कि बाबा साहब के मिशन को पूरा करने के लिए मंच के सभी सदस्य मिलकर जरुरतमंद बच्चों को पुस्तकें, वर्दी व अन्य आवश्यक सामग्री भविष्य में भी मुहिया करवाएंगे। कोई भी बच्चा अशिक्षित न रहे इसके लिए ओर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। बाबा साहब के सपनों को साकार करने के लिए हमें ओर अधिक प्रयास करना चाहिए।

गुहला-चीका। पत्रकारों से बातचीत करते एडवोकेट सुखचैन सिंह धिंद।

मतदान देश के विकास के जरूरी

गुहला-चीका। प्रमुख सामाजिक संस्था राष्ट्रीय जन शक्ति मंच की एक बैठक प्रांतीय प्रधान एडवोकेट सुखचैन सिंह धिंद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कई स्थानीय स्तर की समस्याओं पर चर्चा की गई और उन्हें हल करवाने हेतु प्रशासन से जल्द सम्पर्क करने का एक प्रस्ताव पास किया गया। बैठक में मंच की सदस्या बढ़ाने व पुराने सदस्यों को सक्रिय करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। मंच की बैठक को सम्बोधित करते हुए धिंद ने लोगों का आह्वान किया कि लोकसभा चुनावों में वे मतदान जरूर करें क्योंकि भारतीय संविधान ने उन्हें यह कानूनी अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि कानूनी अधिकार के साथ साथ मतदान का प्रयोग जरूरी भी है क्योंकि यह लोगों के पास 5 साल के बाद अवसर आता है, जब वे पिछली सरकार के कार्यों की समीक्षा करके अपने भविष्य के लिए कोई नया फैसला भी कर सकते हैं। गीता अनौंध, प्रकाश नंदवाल, नैब सिंह हरिगढ़, डाक्टर पवन, हरजिंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

साहित्यिक चोरी की पहचान और बचाव विषय पर मंथन

■ अनुसंधान मेट्रिक्स को समझना' पर एक बहु-विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। डा. संजय गोयल कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग और अनुसंधान समिति ने 27 अप्रैल, 2024 को 'अनुसंधान नैतिकता, साहित्यिक चोरी और अनुसंधान मेट्रिक्स को समझना' पर एक बहु-विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने दीप प्रज्वलन समारोह के माध्यम से किया। डॉ. गोयल पूरे भारत से सभी योग्य संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हैं और इस कार्यशाला की प्रासंगिकता को उचित ठहराते हैं। कार्यशाला की सह-संयोजक डॉ. रितु कंग वालिया ने उद्घाटन सत्र का संचालन किया। कार्यशाला के संयोजक एवं महाविद्यालय की अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. सूरज वालिया ने पहले संसाधन व्यक्ति, डॉ. ए.के. वर्मा, निदेशक, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड पॉलिटिक्स (सीएसएसपी), कानपुर का परिचय दिया। . डॉ. ए.के. वर्मा ने 'अनुसंधान में साहित्यिक चोरी की पहचान करना और उससे बचना' विषय पर बात की। दूसरे सत्र के रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर मनोज कुमार जोशी, अध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र थे और उनका परिचय हिंदी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ओ.पी.सैनी ने कराया। प्रोफेसर मनोज कुमार जोशी की चर्चा का विषय 'रिसर्च एथिक्स एंड इंटीग्रिटी' था।

मतदान करने के लिए जागरूक किया

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज में मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया।इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस.के गोयल ने नए मतदाताओं को शुभकामनाएं दी और वोट का सही इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया। इसके लिए आर के एस डी कॉलेज के विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया।नाटक में जनता को जागरूक करने लिए देश के सभी मुद्दों को दिखाने का प्रयास किया है इसके अलावा जो नौजवान पहली बार मतदान कर रहे है उन्हे मतदान की अहमियत के बारे में बताया गया।इस नाटक का निर्देशन डॉ राजीव शर्मा जी ने किया । इसके अलावा शपथ के माध्यम से भी मतदाताओं से वोट देने की अपील की गई । इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ वीरेंद्र सिंह जी ने कहा कि हम नागरिकों को जाति, धर्म, भाषा और समुदाय से ऊपर उठ कर मतदान करना चाहिए।

विदाई पार्टी में मिस्टर फेयरवेल अभिषेक और मिस फेयरवेल खुशप्रीत कोर बनी

■ जाट महाविद्यालय में जशन ए विदाई समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। विदाई पार्टी के दौरान जाट महाविद्यालय कैथल के विद्यार्थी।

जाट महाविद्यालय कैथल के प्रांगण में विदाई पार्टी का आयोजन किया गया ,बीए तृतीय वर्ष के छात्र छात्राओं की विदाई पार्टी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर सुभाष शर्मा, डॉक्टर वीरेंद्र खटकड़, डॉक्टर जसपाल मालिक, डॉक्टर सुशील शर्मा, डॉ बी आर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल ने शिरकत की। बीए तृतीय वर्ष कि छात्राओं ने कालेज प्राचार्य डॉक्टर राजकला सिहाग पूनिया एवं अतिथियों का तिलक लगाकर व गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। कॉलेज प्राचार्य ने विदाई पार्टी के शुभारंभ की औपचारिकताएं पूरी की। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं ने विदाई समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लिया, टाइटल सॉन्ग के माध्यम से सभी छात्र-छात्राओं ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। प्राचार्य ने कहा कि मैं बीए तृतीय वर्ष के छात्र एवं छात्राओं के मंगल भविष्य की कामना करती हूं। हमें भाईचारे की भावना से मिल जुलकर रहना चाहिए और अपने गुस्से पर कंट्रोल रखना चाहिए। विदाई पार्टी में मिस्टर फेयरवेल अभिषेक और मिस फेयरवेल खुशप्रीत कोर रहे। प्रो लाभ सिंह चौहान मौजूद रहे।

चुनावी उत्सव चार्ट मेकिंग में महक और वनिता रही आगे

हरिभूमि न्यूज. कैथल

मतदान पर पोस्टर को दिखाती छात्राएं।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरटा कैथल में 18वीं लोकसभा के चुनावी उत्सव 2024 के उपलक्ष में विद्यालय में राजनीतिक विज्ञान प्राध्यापिका रितु जी और इतिहास प्राध्यापक सुनील दत्त के मार्गदर्शन में चुनाव उत्सव चार्ट मेकिंग प्रतियोगिता करवाई गई। विद्यालय की डीडीओ मीना देवी ने विद्यार्थियों को व उनके अभिभावकों को इस महाकुंभ में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी देने ने के लिए प्रोत्साहित किया। मीना ने बताया कि भारत में मतदान लोकतंत्र की नींव है। भारत में प्रत्येक नागरिक को इसमें भाग लेने का अधिकार और जिम्मेदारी है। मतदान के माध्यम से, व्यक्तियों के पास अपने निर्वाचित अधिकारियों को उनके कार्यों और नीतियों के लिए जवाबदेह बनाने की शक्ति होती है।

मतदान न केवल एक अधिकार है बल्कि एक नागरिक कर्तव्य भी है और इसका प्रयोग करके व्यक्ति लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और देश की समग्र प्रगति में योगदान देते हैं।

गरीब बच्चों के लिए मुफ्त आइलेट, पीटीई और अंग्रेजी स्पीकिंग कोर्स शुरूः बलवान

■ सर छोटू राम धाम पर एक 50 कमरों का चार मंजिला ब्लॉक बनकर तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। बैठक को संबोधित करते पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति की जिला स्तरीय बैठक करनाल रोड पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप दहिया और प्रदेश अध्यक्ष गंगा राम श्योराण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष बलवान कोटडा और प्रताप दहिया ने बताया कि गांव जसिया जिला रोहतक के सर छोटू राम धाम पर एक 50 कमरों का चार मंजिला ब्लॉक बनकर तैयार हो गया है। इसमें 1 मई से वहां पर गरीब बच्चों के लिए निशुल्क आइलेट, पीटीई और इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स शुरू हो रहे हैं। इसमें बच्चों के लिए हॉस्टल की भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत कोई भी बच्चा मुफ्त में इन कोर्सों में दाखिला ले सकता है। इस मौके पर सर छोटू राम धाम में दान के लिए 600 बोरियां वितरित की गई। दानदाताओं द्वारा 21000 रामकरण कोटडा,11000 सतबीर मलिक जखोली और प्रेम मलिक ने दान दिया। इस अवसर पर जिला प्रधान सुभाष भागल, बलवान कोटडा, शमशेर नीम वाला, रतन चंदन, दलीप सिंह गोहाना, जय भगवान गुहना, धर्मपाल चहल, सुरेश नरड, जवाहरमल जाजनपपुर, बलराम भागल, रतन सिंह भागल, जगदेव मौजूद रहे।

राजौंद। गुलियाणा स्कूल में छात्राओं को स्कूल मुखिया द्वारा निशुल्क वर्दी व अन्य समान वितरित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

विद्यार्थियों को वर्दी वितरित की

राजौंद। राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला गुलियाना में विद्यार्थियों को वर्दी, टाई-बेल्ट, डायरी आईडी कार्ड का निशुल्क वितरण किया गया। विद्यालय की मुखिया नीलम सहारण ने बताया कि उन्होंने अपनी ओर सभी विद्यार्थियों को शनिवार को बेल्ट डायरी आईडी कार्ड निशुल्क वितरित किए हैं । उन्होंने बताया कि इस दौरान गांव से गणमान्य व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया गया था। जिसमें सभी ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि यह उन्होंने अपने निजी कोष सारी व्यवस्था करके वितरित किए है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने विद्यालय में संपूर्ण रूप सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस दौरान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार प्राध्यापक कुलदीप विढान वेद प्रकाश देवेंद्र सहारण सुमित बांगर मुकेश देवी सतपाल शर्मा कलीराम नसीब कुमार नरेंद्र कुमार कृष्ण कुमार व कई अन्य गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मुंशी प्रेमचंद ने हमेशा गरीबों, मजदूरों की आवाज कहानियों के माध्यम से उठाई

मुंशी प्रेमचंद की कहानी सद्गति का छात्रों ने किया जीवंत प्रस्तुतीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। मुंशी प्रेमचंद की कहानी सद्गति का नाटक का मंचन करते वाले विद्यार्थी।

आर.के.एस.डी कॉलेज कैथल के सायंकालीन सत्र के सभागार में हिंदी विभाग द्वारा मुंशी प्रेमचंद की कहानी सद्गति का विद्यार्थियों द्वारा नाटक के रूप में प्रस्तुतीकरण किया गया। हिंदी साहित्य के महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने हमेशा गरीबों, मजदूरों की आवाज अपनी कहानियों के माध्यम से उठाई है। उनकी कहानी यथार्थ एवं सामाजिक कुरीतियां पर आधारित रही हैं, अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा उनकी कहानियों से मिलती रही है।

एक ऐसी कहानी सद्गति जो दशार्ती है कि जातीय बंधन आज भी हमारे देश में किस प्रकार से हावी है। समय जरूर बदला है लेकिन कुछ समस्याएं आज भी वैसी की वैसी ही हैं। इस नाटक से विद्यार्थियों ने इन कुरीतियो का दर्द एवं इनसे निजात पाने की जरूरत को गहराई से महसूस किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने मंच से नाटक के सभी कलाकारों की खूब प्रशंसा की और कहा कि सभी प्रतिभागियों ने बेहतरीन अभिनय किया और नाटक में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को 5100 रुपए धनराशि प्रोत्साहन के रूप में दी।

नाटक के डायरेक्टर और आयोजक डॉ .राजीव शर्मा, डॉ. कुसुम लता, प्रो दीपिका गुप्ता, विद्यार्थी योगेश एवं निशांत को भी प्राचार्य महोदय ने प्रोत्साहन राशि दी। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ संजय गोयल एवम संध्याकालीन सत्र के प्राचार्य प्रभारी डॉ हरिंदर गुप्ता ने विद्यार्थियों को मंच से सर्टिफिकेट और पुरस्कार देकर विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया और मुंशी प्रेमचंद से अपने वक्तव्य द्वारा विद्यार्थियों को रूबरू करवाया। इस अवसर पर डॉ. ओपी सैनी जी, डॉ अशोक शर्मा , डॉ अशोक अत्रि , डॉ संजय गर्ग , डॉ मनोज बंसल , डॉ विनोद मान, डॉ वीरेंद्र भूरा, डॉ संयोगिता शर्मा, प्रो इला गुप्ता, डॉ सुनील शयोकंद, डॉ अंकित गर्ग, प्रो अमनदीप कौर , डॉ आशा , डॉ रितु चौधरी, प्रो रीना मक्कर, प्रो नीतिका गाबा, प्रो कुश चौधरी, प्रो मनीष, प्रो दीपक मौजूद रहे।

सूचना

मैं, अमित सिंह पुत्र श्री नरेश निवासी गांव वार्ड नं. 5, जुलाना, तहसील जुलाना, जिला जीन्द बयान करता हूं कि मेरे आधार कार्ड व सभी दस्तावेजों में मेरा नाम अमित सिंह दर्ज है जोकि सही व दुरूस्त है। मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अमित दर्ज है। अब पासपोर्ट में मेरा नाम अमित सिंह दर्ज किया जाए।

खबर संक्षेप

ब्लॉक समिति सदस्य ने जजपा को कहा अलविदा

उचाना। उचाना ब्लॉक समिति वार्ड नंबर 21 से सदस्य जगबीर उर्फ लालू काकड़ोद ने जेजेपी को अलविदा कहते हुए हिसार लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार जयप्रकाश उर्फ जेजेपी की अगुवाई में कांग्रेस का दामन थामा। हिसार जिले में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस में शामिल जगबीर काकड़ोद हुए। जगबीर काकड़ोद ने कहा कि भाजपा को कांग्रेस ही हरा सकती है। भाजपा को हिसार लोकसभा से हराने के लिए वो कांग्रेस में गए है। भाजपा युवाए किसानए व्यापारी हर वर्ग की विरोधी है।

योग करने से शरीर निरोगः खापड़

उचाना। आर्य समाज उचाना परिसर में चल रहे योग शिविर में निरंतर योग साधकों की संख्या बढ़ रही है। यहां पर हर रोज सुबह योग करवाया जाता है। योग को लेकर शहर के लोगों का रूझान बढ़ रहा है। योगाचार्य महेंद्र खापड़ ने कहा कि करो योग भगाओ रोग। शरीर को स्वस्थ रखना है तो योग नियमित तौर पर करें। योग करने से शरीर निरोग रहता है। भागदौड़ की जिंदगी में से कुछ समय अपने शरीर के लिए निकाले। जिस शरीर से पूरा दिन हम काम लेते है उसको स्वस्थ रखने के लिए कुछ समय जरूर निकाले। उन्होंने कहा कि योग करने से हर बीमारी का उपचार संभव है।

बीरेंद्र सिंह के साथी संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आज

उचाना। बीरेंद्र सिंह के साथी संगठन द्वारा 28 अप्रैल को जींद में महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। बीरेंद्र सिंह के साथी संगठन के प्रधान उदयवीर पूनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मीटिंग सफीदों रोड स्थित निजी होटल में सुबह 11 बजे होगी। मुख्य रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह, पूर्व विधायक प्रेमलता पहुंचेंगी। लोकसभा चुनाव में प्रभावी भूमिका पर विस्तार से चर्चा होगी। अधिक से अधिक बीरेंद्र सिंह समर्थक इस मीटिंग में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले। मीटिंग में विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह, पूर्व विधायक प्रेमलता समर्थकों के साथ करेंगी।

विधायक ईश्वर सिंह आज कार्यकर्ताओं की लेंगे बैठक

गुहला चीका। गुहला विधायक ईश्वर सिंह रविवार को सुबह दस बजे अग्रवाल धर्मशाला चीका में कार्यकताअरं की एक महत्वपूर्ण बैठक को सम्बोधित करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए विधायक के कार्यालय प्रभारी अजय शर्मा ने बताया कि बैठक में कई मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने लगाया फंदा

जींद। उपमंडल के गांव खेड़ा खेमावती में एक युवक ने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृत्तक की पहचान जसमेर (42) निवासी गांव रताखेड़ा के रूप में हुई है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का मुआयना किया शव को उतरवा कर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस कार्रवाई कर रही थी।

कलायत अनाज मंडी में विभिन्न मुद्दों को लेकर उठाई आवाज

मजदूरों ने काम बंद कर डाला मार्केट कमेटी कार्यालय में डेरा

एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने मजदूरों के मुद्दों पर लिया संज्ञान सचिव को कार्यवाही के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत। मार्केट कमेटी कार्यालय में मजदूरों से बातचीत करते एसडीएम सत्यवान सिंह मान। *फोटो :हरिभूमिम*

कलायत अनाज मंडी में मजदूरों का गुस्सा शांत करने का प्रयास करते कमेटी सचिव अरविंद श्योकंद। *फोटो :हरिभूमि*

कलायत अनाज मंडी में लोडिंग-अन लोडिंग एजेंसी की बजाय कच्चे मजदूरों से लोडिंग करवाने, भोजन-विश्राम के लिए सारणी निर्धारित न करने, प्रति कट्टे की सिलाई 2 रुपए 4 पैसे की बजाए केवल 50 से 70 पैसे देने और ओवर लोडिंग के मुद्दे को लेकर शनिवार को बड़ा बवाल खड़ा हो गया। इसे श्रमिकों का शोषण करार देते हुए मंडी मजदूरों ने काम बंद करते हुए मार्किट कमेटी कार्यालय में डेरा जमा लिया। इस दौरान शासन-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी भी जाहिर की गई। बड़ी संख्यां में जुड़े मजदूरों का कहना था कि सुबह 7 बजे से देर रात्रि तक उनसे बिना विश्राम किए काम लिया जा रहा है। आखिरकार वे रोबोट नहीं इंसान हैं। मजदूर यूनियन प्रधान कुलदीप दहिया, मजदूर वेल्फेयर संगठन नेता रामनिवास बड़वर, राजेंद्र सिंह, रामकुमार, कुलदीप सिंह, विकास, जोगेंद्र सिंह, रमेश कुमार, श्रवण और दूसरे मजदूरों ने कहा कि वे पहले ही रेट लिस्ट के साथ-साथ काम की समय सारणी को मार्किट कमेटी कार्यालय में मातृ भाषा हिंदी में लिखित नियमों के साथ चस्पा करने की मांग कर चुके हैं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नियमों की पालना की बजाए सरेआम अवहेलना हो रही है।विरोध प्रदर्शन के चलते मंडी में गेहूं खरीद व उठान कार्य प्रभावित होने की सूचना मिलते ही एसडीएम सत्यवान सिंह मान मार्किट कमेटी कार्यालय परिसर में प्रदर्शन कर रहे मजूदरों से बातचीत करने के लिए पहुंचे। उन्होंने मजदूर नेताओं को संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया। एसडीएम ने कहा कि श्रम कानून की हर स्तर पर पालना होगी। किसी को भी इसकी अवहेलना का अधिकार नहीं है। उन्होंने मार्किट कमेटी सचिव अरविंद श्योकंद व सुपरवाइजर मोमन शर्मा को श्रम निरीक्षक, आरटीए व दूसरे विभागों से तालमेल कायम रखते हुए समस्या निवारण के निर्देश दिए। काम की प्रोग्रेस रिपोर्ट मंगलवार को धरातल पर जांची जाएगी। इस पर मजदूरों ने पुनः काम पर लौटने का निर्णय लिया। शनिवार को पूरा दिन अनाज मंडी में प्रदर्शनों के नाम रहा। मजदूरों के विरोध प्रदर्शन से पहले कलायत अनाज मंडी प्रधान सोहनलाल व दूसरी आढ़ती एसोसिएशन प्रधान सुरेंद्र सिंह की अगुवाई में व्यापारियों ने मार्किट कमेटी कलायत के समक्ष धरना दिया। उन्होंने मंडी से बाहर पड़े गेहूं की बजाए केवल मंडी के अंदर उठान करने पर नाराजगी जताई। साथ ही बाहर खुले में पड़े गेहूं कट्टों का उठान करवाने वाले व्यापारियों को लाइसेंस रद्द करने की धमकी देने वाले अधिकारियों के खिलाफ आढ़ती भडक उठे। शासन-प्रशासन के खिलाफ गुस्सा जाहिर करते व्यापारियों ने कहा कि वे किसी एक के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। व्यापारी एकजुट हैं। लेकिन उनकी समस्या का हल करने की बजाए उन्हें परेशान किया जा रहा है। उठान न होने की बजाए से किसानों की पेमेंट नहीं हो रही।

अनाज मंडी में पल-पल बदल रहा घटनाक्रम

कलायत अनाज मंडी में 25 अप्रैल को व्यापारियों ने एकजुट होकर उठान मुद्दे पर राजनेताओं व अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करने की चेतावनी दी थी। इसकी शुरूआत 26 अप्रैल से होनी थी। जैसे ही कुरुक्षेत्र लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार नवीन जिंदल व पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा सहित अन्य नेता मंडी में आए तो मंजर बदला-बदला नजर आया। व्यापारियों ने प्रदर्शन करने की बजाए उन्हें लड्डूओं से तोलते हुए पुरजोर स्वागत किया। हालांकि मुद्दे को लेकर संघर्ष कर रहे अधिकांश व्यापारी इस जलपान कार्यक्रम से दूरी बनाए रहे। इसी क्रम में 27 अप्रैल को फिर से व्यापारी उठान मुद्दे को लेकर प्रदर्शन की राह पर चल पड़े।

मंडियों में आया 6 लाख 43 हजार 979 मीट्रिक टन गेहूं

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने बताया कि जिला में विभिन्न एजेंसियों द्वारा गत दिवस तक कुल 6 लाख 43 हजार 979 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद गई है। जिला में गेहूं की कुल आवक में से 1 लाख 74 हजार 386 मीट्रिक टन गेहूं खाद्य एंव आपूर्ति विभाग द्वारा, 2 लाख 92 हजार 415 हैफेड द्वारा, एफसीआई द्वारा 57 मीट्रिक टन तथा 1 लाख 77 हजार 121 मीट्रिक टन गेहूं हरियाणा वेयरहाउसिंग कोपोरेशन द्वारा खरीदा गया है।

राजौंद अनाज मंडी में उठान के पुख्ता इंतजाम न होने से गेहूं का धीमा उठान किसान, मजदूर व आढ़ती परेशान

राजौंद। अनाज मंडी में कांग्रेस प्रदेश सचिव राजेश अंबरसर ने पहुंचकर किसानों व आढ़तियों तथा मजदूरों से बात कि व उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने बताया कि जब वह अनाज मंडी में पहुंचे तो वहां पर उनके सामने किसान, मजदूर व आढ़तियों ने केवल एक ही बात रखी की सरकार व प्रशासन के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण गेहूं के उठान कार्य बहुत धीमा चल रहा है। जहा कम से कम तीस गाड़ियों की आवश्यकता है वहा केवल चार पांच गाड़िया ही उपलब्ध हो रही है। बदलते मौसम का खतरा उनके सर पर मंडरा रहा है। आने वाले दो तीन दिनों में मौसम विभाग ने भी भारी बरसात की चेतावनी दे रखी है। जिसके कारण किसानों व आढ़तियों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बात कर कहा कि उठान में आ रही दिक्कत का शीघ्र समाधान किया जाएं ताकि किसानों, मजदूरों व आढ़तिओ कोई परेशानी न उठानी पड़े। इस दौरान उनके साथ मंडी प्रधान महिपाल राणा, पप्पु राणा, मोनू शर्मा सुखदेव सहारण,घनश्याम राणा, साहिल संदल खेड़ी सहित कई लोग मौजूद रहे।

राजौंद। अनाज मंडी में आढ़तियों व मजदूर किसानों से बात करते राजेश अंबरसर। *फोटो :हरिभूमि*

मंडी में गेहूं खरीद का जायजा लेते हुए कर्मवीर सैनी। *फोटो :हरिभूमिम*

चेयरमैन के सामने आढ़तियों ने उठाई कमीशन बढ़ाने की मांग

- चेयरमैन ने दिया आश्वासन मुख्यमंत्री से करेंगे बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कान्फेड चेयरमैन एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कर्मवीर सैनी ने शनिवार को पिल्लूखेड़ा अनाजमंडी का दौरा किया और यहां खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। उठान में ढिलाई पर उन्होंने अधिकारियों को उठान की गति बढ़ाने को कहा। इस मौके पर आढ़तियों ने दो प्रतिशत से बढ़ा कर कमीशन अढ़ाई प्रतिशत करने की मांग की। इस पर कर्मवीर सैनी ने कहा कि वह मुख्यमंत्री नायब सैनी से इस बारे में बातचीत करेंगे क्योंकि यह केवल पिल्लूखेड़ा की नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के आढ़तियों की मांग है। कर्मवीर सैनी ने कहा कि पिल्लूखेड़ा अनाजमंडी में 12 लाख गेहूं की बोरियों की खरीद हुई है। अब केवल दस प्रतिशत आवक ही रह गई है। 50 प्रतिशत से अधिक का उठान हो चुका है। उन्होंने यहां पल्लेदारी करने वाले मजदूरों से बातचीत की और किसानों से भी फीडबैक लिया। सभी ने गेहूं की खरीद तथा समय पर भुगतान होने पर संतोष जाहिर करते हुए भाजपा सरकार का धन्यवाद किया। सैनी ने कहा कि भाजपा सभी वर्गों का ध्यान रख रही है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल की नीतियों पर ही वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सैनी चल रहे हैं तथा हरियाणा को विकास के रास्ते पर और तेज गति से आगे लेकर जाएंगे। सैनी ने कहा कि हरियाणा में 12 द्वक्तसलों पर एमएसपी लागू है तथा सभी फसलें बिना किसी रुकावट के बिक रही हैं। इस मौके पर उनके साथ अनाजमंडी उपप्रधान जगमेंद्र मलिक, नंदकिशोर गुप्ता, जयप्रकाश सैनी, सूरजभान देशवाल, होशियार सिंह सैनी, राधेश्याम शर्मा, विनोद सैनी, संदीप पांचाल, हवा सिंह प्रजापत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हैफेड विभाग ने चीका मंडी में शुरू की प्राइवेट गेहूं की खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

जिला कैथल की प्रमुख अनाज मंडी चीका में हरियाणा सरकार की एक प्रमुख खरीद एजेंसी हैफेड विभाग ने प्राइवेट स्तर पर गेहूं की खरीद शुरू कर दी है, जिसके चलते आढ़तियों व किसानों में भारी खुशी की लहर है। मालूम रहे कि इससे पहले सरकार की दो एजेंसियां फूड सप्लाई व को आप्रेटिव सोसायटी द्वारा ही किसानों की गेहूं की खरीद कर रही है परंतु अब हैफेड ने प्राइवेट तौर पर गेहूं की खरीद शुरू की है। हैफेड द्वारा प्राइवेट स्तर पर खरीदी जा रही गेहूं को लेकर आढ़तियों व किसानों ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि हैफेड सरकारी रेट 2275 रुपए प्रति क्विंटल से 1 रुपया अधिक पर खरीददारी कर रहा है, वहीं हैफेड अपना माल जल्द उठाएगा, जिसके चलते गेहूं का भुगतान भी जल्द हो जाएगा। आढ़तियों ने कहा कि यही नहीं हैफेड आढ़तियों को आढ़त भी अढ़ाई प्रतिशत के हिसाब से ही मिलेगी, जो कि सरकार द्वारा आढ़तियों को अढ़ाई रुपए से कम दी जा रही है। हैफेड के मैनेजर राजेंद्र सिंह ने बताया की हैफेड ने अब तक लगभग 9 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद कर ली है और अभी खरीद जारी है। उन्होंने बताया कि हैफेड द्वारा सरकार के निर्धारित रेट से ऊपर गेहूं खरीद की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि हैफेड की प्राइवेट खरीद से किसानों को बहुत ज्यादा लाभ होगा।

हैफेड द्वारा की गई गेहूं की प्राइवेट खरीद के मंडी में लगे सटैग।

अपर मुख्य सचिव विनीत गर्ग ने विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- समस्याएं दूर करने के लिए हर संभव सहायता करने का आश्वासन

उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव विनीत गर्ग ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय का औचक निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय की प्रगति के संबंध में उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति डा. रणपाल सिंह तथा अन्य प्राध्यापकों से बातचीत की। शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रोफेसर एसके सिन्हा ने उन्हें विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने पूरे विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया तथा विश्वविद्यालय में आ रही समस्याओं की जानकारी प्राप्त की एवं उन्हें दूर करने के लिए हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय खेल विभाग की उपलब्धियों पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर कुलपति द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव विनीत गर्ग सीआरएसयू का दौरा करते हुए।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ सरकार की खोलेगा पोल :जगरूप सहारण

कैथल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा सरकार की रिटायर्ड विरोधी व जनविरोधी नीतियों का जनता के बीच खुलासा करेगा और इसके लिए वे टीमें बनाकर कर वार्डों ,मोहल्लों , बस्तियों व गांवों में जनता को साथ लेकर बैठकें करेंगे व बताएंगे कि डबल ईजंन की सरकार ने उनकी एक भी मांग को दस साल बीतने पर लागू नहीं किया है। उनकी रेलवे में रियायती यात्रा की सुविधा छीन ली गई है व उनका करोना काल में रोका गया अठारह महिनों का महंगाई भत्ते का बकाया भी अब तक जारी नहीं किया है। सैंकड़ों बार मांग पत्र व ज्ञापन दिए गए लेकिन उन पर कोई सुनवाई न करके उन्हें रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया इससे सरकार से बहुत खफा हैं। सरकार ने जनतांत्रिक मर्यादा का भी पालन नहीं किया है। संगठन के वरिष्ठ नेताओं जगरुप सहारण ,बलबीर ढुल व राजकुमार सिरमौर ,बलवन्त जाटान , ईश्वर ढाण्डा ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि ये सरकार कर्मचारियों व जनता के मुद्दों पर ध्यान न देकर अनाप-शनाप मुद्दों पर अपने चुनावी प्रचार अभियान चलाए हुए हैं।

महावीर बने रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसो.के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसोसिएशन ब्लॉक जींद की शहरी एवं ग्रामीण इकाइयों का तीन वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने एवं नई कार्यकारिणी के गठन की चुनावी बैठक मिया सिंह खटकड़ की अध्यक्षता में जाट धर्मशाला में हुई। जिसमें खजान सिंह खटकड़ ने मुख्य पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई तथा शीशपाल लोहान, जगदीश पांचाल ने जींद शहरी इकाई के चुनाव पर्यवेक्षक तथा जयदेव शर्मा व दलबीर रेढू ग्रामीण इकाई के चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। किताब सिंह भनवाला व कुलदीप सिंह गोयत विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल हुए। भनवाला ने बताया कि एक मई को जाट धर्मशाला में जिला कार्यकारिणी का चुनाव किया जाएगा। बैठक में सर्वप्रथम प्रधान किताब सिंह भनवाला ने एसोसिएशन की गतिविधियों का ब्यौरा दिया व मंच संचालन कुलदीप सिंह गोयत ने किया। जींद शहरी ईकाई के महासचिव शमशेर सिंह ढांडा ने एसोसिएशन का आय व व्यय का ब्यौरा दिया।

जींद। जाट धर्मशाला में आयोजित बैठक में भाग लेते हुए रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसोसिएशन के सदस्य। *फोटो :हरिभूमि*

उचाना में डीसी की सख्ती का दिखा असर

उचाना। डीसी जींद के मंडी में दौरे के बाद जल्द से जल्द गेहूं के उठान को लेकर दिए गए निर्देश का असर शनिवार को दिखाई दिया। लिफ्टिंग की रफ्तार शनिवार को तेज नजर आई। उचाना मंडी सहित छात्तर परचेज सेंटरों पर 72 हजार से अधिक गेहूं के बैगों का उठान हुआ। सचिव संदीप कासनिया ने बताया कि उचाना मंडी से डीएफएससी के 19200, हैफेड के 21000 गेहूं के बैगों का उठान हुआ। छात्तर सब यार्ड पर डीएफएससी के 14700, हैफेड के 4500 गेहूं के बैगों का उठान हुआ। घोघडिया में 4800ए काब्रच्छा में 7000 एवं धनखड़ी परचेज सेंटर पर 1020 गेहूं के बैगों का उठान हुआ। उठान की रफ्तार निरंतर तेज होगी। अब तक 42 प्रतिशत गेहूं का उठान हो चुका है।

मारपीट व धमकी देने का आरोप, केस दर्ज

कैथल। मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के दो मामलों में पुलिस ने 12 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पहले मामले में अर्जुन नगर निवासी कृष्ण ने शहर थाना में शिकायत दी कि 19 अप्रैल को रात करीब 10 बजे आरोपी राहुल, सोनू व सात-आठ अन्य आरोपियों ने उसे डंडे व लाठियों से पीटकर चोटिल कर दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। जांच अधिकारी दलबीर ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरे मामले में गांव बात्ता निवासी मोहित ने कलायत थाना में शिकायत दी कि 25 अप्रैल को शाम के समय आरोपी राहुल व सागर ने उसे गंडासी व रॉड से पीटकर घायल कर दिया। उसे जान से मारने की धमकी भी दी। जांच अधिकारी बलवान ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय में मैराथन का आयोजन

खेल हमारे जीवन का अहम हिस्साः कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय कैथल के तत्वावधान में एक मैराथन का आयोजन सर छोटू राम इंडौर स्टेडियम पर किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में ओलंपियन मनोज कुमार बॉक्सर ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर शमीम अहमद ने की। यह मैराथन दौड़ इनडोर स्टेडियम से शुरू होते हुऐ पेहवा चौंक ,गौशाला ,हिंद सिनेमा, कमेटी चौक ,फिर वापस पिहोवा चौक, सचिवालय ,किसान चौक, न्यू बस स्टैंड, डांडं चौक, अंबाला बाईपास चौकी, से होते वापस छोटू राम इंडौर स्टेडियम में पहुंचकर संपन्न हुई। इस मैराथन में 600 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया और 508 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा नगद इनामी राशि देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए ओलंपियन मनोज कुमार ने कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन लेकर आते हैं और हम शारीरिक रूप से भी स्वस्थ एवं मजबूत रहते हैं इसलिए हम सबको इस प्रकार की गतिविधियों में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेना चाहिए उन्होंने इस मैराथन दौड़ के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का धन्यवाद किया एवं बधाई दी। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है जो हमें स्वस्थ तो रखता ही है, इसके साथ-साथ हम सब में टीम भावना को भी विकसित करता है। कार्यक्रम के संयोजक डायरेक्टर स्पोर्ट्स डॉक्टर बलविंदर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का स्पोर्ट्स विभाग लगातार हर प्रकार की स्पोर्ट्स गतिविधियों को सुचारू रूप से जारी रखे हुए है और छात्रो को हर प्रकार की शैक्षणिक सुविधाए देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ.राजीव दहिया,डीन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट प्रो.रेखा गुप्ता, विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक डॉ. मंजीत जाखड, विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

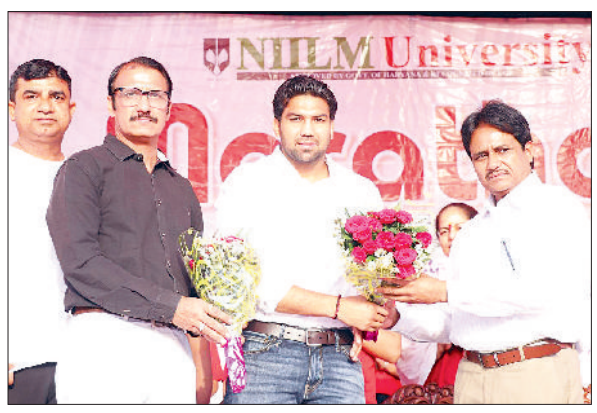

कैथल। बाक्सर मनोज कुमार का स्वागत करते पदाधिकारी। *फोटो :हरिभूमि*

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 28 अप्रैल 2024

स्पेशलः इंटरनेशनल डांस-डे, 29 अप्रैल

हाल के सालों में देश-विदेश में डांस को फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए बहुत उपयोगी गतिविधि माना जाने लगा है। यह तथ्य तो सही है ही, लेकिन डांस हमारे भीतर सकारात्मकता और संवेदनशीलता का संचार करता है, सौंदर्यबोध बढ़ाता है। डांस से हम बेहतर इंसान बनते हैं और जीवन को आनंद के साथ जीने के लिए आत्मप्रेरित भी होते हैं।

जीवन की लय पर पैरों की थिरकन

{ कवर स्टोरी / संध्या सिंह }

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कॉर्डियोलॉजी, जो कि एक गैरलाभकारी चिकित्सा संस्था है, उसके मुताबिक डांस यानी नृत्य गंभीर हृदय रोगी को भी जीवनदान दे सकता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि डांस सामान्य जीवन की कितनी सकारात्मक गतिविधि है। समाजशास्त्रियों से लेकर मनोचिकित्सकों तक और हृदय रोग विशेषज्ञों से लेकर सामान्य लोगों तक का मानना है कि डांस हमारे फिट रहने का सबसे आसान और सरस तरीका है।

स्वास्थ्य के लिए संजीवनी

नृत्य अपने आप में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसलिए इसका महत्व इस लिहाज से बहुत ज्यादा होता है। हालांकि नृत्य की अपनी एक सामाजिक दुनिया भी है और वह कम प्रभावशाली या कम महत्व की नहीं है। लेकिन ज्यादातर आम लोगों के लिए नृत्य के सर्वाधिक फायदे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से ही जुड़े होते हैं। आम लोगों के लिए नृत्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खजाने की तरह है। अमेरिकी हृदय स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नृत्य को मांसपेशियों की ताकत, भावनात्मक सहन शक्ति और फिटनेस की अपार संभावनाओं वाला केंद्र मानते हैं। मेडिकल निष्कर्षों के मुताबिक डांस करने से 70 से 80 फीसदी तक हृदय बिना और कोई उपाय किए स्वस्थ रहता है। डांस करने से दो दर्जन लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियां जैसे चिंता, डिप्रेशन, हाइपरटेंशन और एंजाइटी आपके पास नहीं फटकती हैं। रेग्युलर डांस करने वाले लोगों का शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तो बेहतर होता ही है, उन्हें कभी ऑस्टियोपोरेसिस का खतरा नहीं रहता। इससे फेफड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है और कभी वजन भी नहीं बढ़ता है।

बढ़ती है संवेदनशीलता-सकारात्मकता

आज के दौर में नृत्य एक बड़ा कारोबार और कई रचनात्मक कलाओं का केंद्र भी बन गया है। जितने भी परफॉर्मिंग आर्ट हैं, डांस उन सबका सेंटर प्वाइंट है। लेकिन नृत्य के ये संदर्भ उन कुछ रचनात्मक लोगों से ही हैं, जो नृत्य के लिए समर्पित हैं और नृत्य की लय को जीवन की लय मानते हैं। डांस करने से आत्मविश्वास में सर्वाधिक बढ़ोत्तरी होती है। यह आपकी संज्ञानात्मक मेधा में वृद्धि करता है। डांस करने से शरीर में एक लयात्मकता आती है और भरपूर लचीलापन न सिर्फ शारीरिक अंगों मे बल्कि स्वभाव और संवेदना में भी दिखता है। डांस नए दोस्त बनाने में मददगार होता है और हमारे भीतर रचनात्मकता, आत्म अनुशासन और सहयोगात्मक रूप से काम करने की क्षमता विकसित करता है।

यह तो कहने की जरूरत ही नहीं है कि डांस हमारे भीतर सौंदर्यबोध को पैदा ही नहीं करता, उसमें वृद्धि भी करता है। इसीलिए माना जाता है कि एक डांसर की आंखें दुनिया का सृजन देखती हैं। अमेरिका में हुए एक शोध के मुताबिक प्रतिदिन एक घंटे डांस करने वाले लोग बहुत रेयरली किसी आपराधिक घटना में शामिल पाए जाते हैं। नियमित डांस करने वाले लोगों के दिल दिमाग में ऐसे हार्मोन पैदा ही नहीं होते, जो उन्हें किसी भी तरह की आक्रामकता या अपराध की तरफ उन्मुख करें। डांस में इस तरह की सकारात्मकता और संवेदना होती है, जो व्यक्ति को शांत और सौम्य बनाती है। हर डांस करने वाला व्यक्ति लगभग सभी रचनात्मक कलाओं में रुचि लेता है, क्योंकि डांस उसके मन की कंडीशन और 'स्टेट ऑफ माइंड' यानी मनःस्थिति को संवेदना से भर देता है।

एक लय में हो जाते हैं तन-मन

डांस करने वाले के दिमाग में कार्टीसोल नामक हार्मोन का स्तर बेहद कम होता है और ऑक्सीटोसिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है यानी फीलगुड हार्मोन की मात्रा बढ़ती है। इसीलिए इंसान द्वारा की जाने वाली सबसे खूबसूरत और खुशहाली से भरी गतिविधि डांस को माना जाता है। कहते हैं, डांस जानने वालों को संगीत की जानकारी स्वतः ही हो जाती है, क्योंकि डांस करने वालों का शरीर ही नहीं, मन भी लय में रहता है और लय संगीत के साथ सहजता से आत्मसात हो जाता है। दुनिया में डांस के अलावा दूसरी ऐसी कोई सक्रिय गतिविधि नहीं है, जिसमें तन और मन एक लय में हो जाते हों। इसीलिए डांस सीखने से कई अन्य कलाओं से भी लगाव बढ़ने लगता है। कहने का सार यही है कि डांस केवल एक कला नहीं, केवल स्वास्थ्य सुधारने का जरिया नहीं बल्कि जीवन को आनंद के साथ जीने की एक अद्वितीय शैली भी है। *

ऐसे हुई डांस-डे की शुरुआत

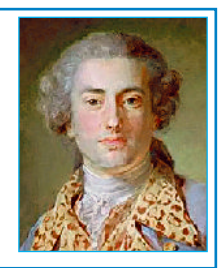

डांस के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर साल 29 अप्रैल को इंटरनेशनल डांस-डे मनाया जाता है, क्योंकि यह तारीख आधुनिक बैले डांस के जनक जीन-जॉर्जेस नोवरे का जन्मदिन है। 1727 को नोवरे इसी दिन पैदा हुए थे। इसलिए साल 1982 से इस दिन को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। हर साल नृत्य दिवस की एक थीम होती है और उस थीम का एक सांकेतिक महत्व होता है। जैसे साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस की थीम थी-नृत्य दुनिया के साथ संवाद करने का एक तरीका। जबकि इस साल नृत्य दिवस की थीम है-थिएटर और शांति की संस्कृति यानी साल 2024 के नृत्य दिवस की थीम विश्व रंगमंच को समर्पित है।

{ फिटनेस / शिखर चंद जैन }

मस्ती वाला वर्कआउट डांसरसाइज

इन दिनों डांस के साथ एक्सरसाइज यानी डांसरसाइज का ट्रेंड बढ़ रहा है। इनके डिफरेंट टाइप्स के जरिए अनेक यंगस्टर्स मस्ती के साथ खुद को फिट रख रहे हैं। क्या है डांसरसाइज, आप भी जानिए।

गर्मी के दिनों में सूरज सुबह-सुबह ही तेज चमकने लगता है, इसलिए पसीने और गर्मी के डर से घर से बाहर जाकर वर्कआउट करने का मन अकसर नहीं करता है। लेकिन शरीर के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। ऐसे में आप घर में ही पंखा/कूलर चलाकर बोर हुए बिना फुल मस्ती के साथ डांसरसाइज कर सकते हैं।

जाज डांसिंगः सुडौल पैर, जांघें और कमर के लिए जाज डांसिंग आपके लिए परफेक्ट है। इसमें आपको लीप्स, किक्स और जंप्स लेने होते हैं, जिनसे पैरों और जांघों की अच्छी खासी एक्सरसाइज हो जाती है। इससे न सिर्फ लचीलापन और शरीर का संतुलन दुरुस्त होता है बल्कि पोश्चर भी सही हो जाता है। इस डांस में हाथों के मूवमेंट भी खूब होते हैं, जिससे बाहों और हाथों का भी अच्छा वर्कआउट हो जाता है।

शिबामः 45 मिनट सेशन का यह डांस आधारित वर्कआउट विदेशों में सुपरहिट हो चुका है। इसमें लैटिन और हिप-हॉप साउंडट्रेक पर सिंपल डांस स्टेप्स परफॉर्म करने होते हैं। शिबाम की एक क्लास में 600 से ज्यादा कैलोरी तो बर्न होती ही है, साथ ही स्ट्रेस से भी राहत मिलती है। किसी कुशल ट्रेनर की देखरेख में इसकी कुछ क्लासेज अटेंड करने के बाद आप खुद ट्रेंड हो जाएंगे। शिबाम में डांस मूव्स को एरोबिक वर्कआउट के साथ ब्लेंड किया गया है। संगीत के साथ जब शरीर थिरकता है, तो आपको दोहरा लाभ मिलता है तन और मन दोनों फिट होते हैं। इस वर्कआउट से स्टेमिना और कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस बढ़ने के साथ-साथ ढेर सारी कैलोरी भी बर्न होती है। तीव्रता के साथ किए गए शिबाम से प्रति घंटे 800 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं।

जाज डांसिंग करते यंगस्टर्स

जुंबाः कोलंबियन फिटनेस एक्सपर्ट द्वारा डिजाइन किया गया यह वर्कआउट हमारे देश में भी खूब पॉपुलर हो रहा है। लैटिन म्यूजिक के साथ इसमें तरह-तरह के डांस फॉर्म्स का मिक्सचर है जैसे- सालसा, बेली डांसिंग, सोका, रिगेटन आदि। जुंबा कई प्रकार का होता है जैसे स्विमिंग पूल में एक्वा जुंबा किया जाता है। बच्चों के लिए जुंबा किड्स है और बुजुर्गों के लिए जुंबा गोल्ड है। तरह-तरह के डांस पर थिरकते हुए शरीर की अच्छी-खासी वर्जिश हो जाती है। दिलचस्प होने की वजह से इसे करने में मन भी लगा रहता है।

जुंबा डांसरसाइज करते यंगस्टर्स

पाइलेट्सः इसे मॉर्निंग वर्कआउट का हीरो कह सकते हैं। इसे एक जर्मन फिटनेस एक्सपर्ट ने शुरू किया था और 2005 के बाद से यह पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया। कमजोर घुटनों और पीठ दर्द के लिए यह एक शानदार वर्कआउट है, जिसे चटाई पर लेटकर म्यूजिक के साथ किया जाता है। इससे कमर के नीचे का हिस्सा मजबूत होता है और इससे फ्लैक्सिबिलिटी आती है।

पाइलॉक्सिंगः स्वीडन के डांसर विविका जेनसन, जो बाद में पाइलेट्स ट्रेनर बन गए, ने इसकी शुरुआत की। पाइलेट्स और बॉक्सिंग का फ्यूजन है पाइलॉक्सिंग। पाइलॉक्सिंग नंगे पैरों से वजनदार ग्लव्स पहन कर की जाने वाली डांस एक्सरसाइज है। महिलाओं के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद है, क्योंकि इससे उनकी फिटनेस और कॉन्फिडेंस दोनों बढ़ते हैं।

बॉलीवुड डांसिंगः एक्सरसाइज करने का मन नहीं है और मूड ऑफ है, तो बस बॉलीवुड के मस्ती भरे जोशीले गाने चला लें और उन पर थिरकना शुरू कर दें। आप फील ही नहीं कर पाएंगे कि फुल मस्ती में नाचते-नाचते आपकी पूरी बॉडी में मूवमेंट्स हो रहे हैं और अनजाने में ही घंटे भर का वर्कआउट हो गया। डांस से बॉडी में लचीलापन भी आता है।

मसाला भांगड़ाः आपके दिल के लिए यह जबर्दस्त कार्डियो एक्टिविटी है। यंगस्टर्स के लिए यह एक शानदार और मस्ती भरा वर्कआउट प्लान है। इसमें पॉप और भांगड़ा डांस का फ्यूजन है। इसमें ढोल की बीट पर फास्ट मूवमेंट्स किए जाते हैं। यह एक इंटेंस डांस वर्कआउट है। *

{ ट्रेडिशन / अंजू जैन }

प्राचीन-बहुरंगी-भव्य भारतीय नृत्य परंपरा

भले ही आज देश-विदेश में नृत्य की अनेक शैलियां विकसित हो चुकी हैं। लेकिन अपने देश में नृत्य परंपरा बहुरंगी, भव्य और अत्यंत प्राचीन रही है। यहां के शास्त्रीय और लोकनृत्यों की छटा देखते ही बनती है।

हमारे देश में नृत्य और संगीत का न सिर्फ धर्म और अध्यात्म से गहरा नाता रहा है, पौराणिक काल से इसकी परंपरा भी बरकरार है। प्राचीन ग्रंथों में से एक 'सामवेद' को संगीत का सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। भरत मुनि का 'नाट्य शास्त्र' नृत्यकला का सर्वप्रथम और प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। इंद्र की सभा में मेनका आदि अप्सराओं द्वारा नृत्य किए जाने का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा सभ्यता में नृत्य करती हुई युवतियों की मूर्ति पाई गई है, जिससे साबित होता है कि उस काल में ही नृत्यकला का विकास हो चुका था। खजुराहो के मंदिर हों या कोणार्क के मंदिर, प्राचीन काल में निर्मित इन मंदिरों की दीवारों पर गंधर्वों की मूर्तियां अंकित हैं। उन मूर्तियों में लगभग सभी तरह के वाद्य यंत्रों और नृत्य भंगिमाओं को दर्शाया गया है। भगवान शिव के नृत्यरत नटराज स्वरूप के बारे में हम जानते ही हैं। उनका तांडव नृत्य भी सब जानते हैं। इसी तरह श्रीकृष्ण की रासलीला में भी नृत्य और संगीत का वर्णन मिलता है।

भरतनाट्यम

डांडिया

नृत्य का जनक है हमारा देशः हमारे देश के प्राचीन शास्त्रीय नृत्य दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। हमारे देश में नृत्य की परंपरा प्राचीन काल से ही चली आ रही है। भारत की नृत्य शैलियां दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। दुनिया की कई नृत्य शैलियां तो हमारी प्राचीन नृत्यकला से ही प्रभावित हैं। नाट्यशास्त्र के अनुसार भारत में कई तरह की शास्त्रीय नृत्य शैलियां अलग-अलग राज्यों में विकसित हुई हैं जैसे- भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओडिसी, कथक, कथकली, यक्षगान, कृष्णअट्टम, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम।

कुचिपुड़ी

भरतनाट्यमः यह नृत्य भारत के अति प्राचीन नृत्यों में शुमार है। इसका उल्लेख भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में भी मिलता है। मूलतः तमिलनाडु के भरतनाट्यम नृत्य में भाव, राग और ताल का संगम होता है। इस नृत्य में चेहरे के हाव-भाव, हाथ, पैर की गतिविधियां और मुद्राओं द्वारा भावनाओं को अभिव्यक्त किया जाता है।

कथकः कथक का शाब्दिक अर्थ कथा होता है। प्राचीन काल में कथा यानी कहानी सुनाने वाले लोगों को कथक कहा जाता था। शुरुआत में यह नृत्य उत्तर भारत में ब्राह्मणों द्वारा मंदिरों में किया जाता था। यह नृत्य बालकृष्ण की लीलाओं, दंतकथा और अन्य पौराणिक कथाओं पर किया जाता है। इस नृत्य कला में चेहरे के हाव-भाव और मुद्राओं को विशेष महत्व दिया जाता है। इस नृत्य में मुकुट के साथ-साथ चेहरे के श्रृंगार के लिए विविध रंगों का भी प्रयोग किया जाता है। रामायण तथा महाभारत की कथा पर भी यह नाट्य नृत्य किया जाता है।

कुचिपुड़ीः कुचिपुड़ी आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले में एक गांव का नाम है। इसी गांव में कुचीपुड़ी नृत्य का जन्म हुआ। शुरुआत में यह नृत्य केवल पुरुष ब्राह्मणों द्वारा ही भगवान को समर्पित किया जाता था और पुरुष ब्राह्मण ही महिला का रूप लेकर नृत्य करते थे। समय बदला तो महिलाएं भी कुचीपुड़ी नृत्य में हिस्सा लेने लगीं। इस नृत्य में शारीरिक संतुलन का कौशल प्रदर्शित किया जाता है। पानी से भरा हुआ घड़ा लेकर तथा पीतल की थाली की किनारी पर भी यह नृत्य किया जाता है।

मणिपुरीः यह नृत्यकला अन्य शास्त्रीय नृत्य कलाओं से भिन्न है। मणिपुरी नृत्य कला में पोशाक भी अन्य नृत्यकलाओं से भिन्न होती है। इसमें शरीर धीमी गति से थिरकता है। इसमें तांडव और रास्य दोनों का समावेश किया जाता है।

ओड़ीसीः कोणार्क के सूर्यमंदिर तथा भुवनेश्वर की प्राचीन गुफा की दीवारों में इस नृत्य के चित्र मिलते हैं। इस नृत्य की मुख्य मुद्रा त्रिभंग है जिसमें सिर, शरीर और पैर तीन हिस्सों में बांटकर नृत्य अभिव्यक्त किया जाता है। इस नृत्य में भगवान विष्णु के अवतार जगन्नाथ, शिव और सूर्य की कथाएं नृत्य नाटिका से मंचित की जाती हैं।

लोकनृत्य की छटाः हमारे देश में तीज-त्योहारों या शादी-विवाह जैसे खुशी के मौकों पर भी नृत्य संगीत का आयोजन खूब किया जाता है। विभिन्न संस्कृतियों में अपनी-अपनी परंपरा के अनुसार घूमर, गिंदड़, चरकुला, गेर, चंग, डांडिया, रम्मत, ढोल और पणिहारी जैसे लोक नृत्यों का खूब आनंद उठाया जाता है। लोग तरह-तरह के स्वांग लेकर नाचते-झूमते हैं और जश्न मनाते हैं। जनजातियों की जीवनशैली का हिस्सा इन लोक नृत्यों की भी छटा देखते ही बनती है। चिकित्सक इन्हें स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक मानते हैं। शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ संगीतमय लयबद्ध थिरकन से मानसिक अवसाद से भी राहत मिलती है। *

{ गजल }
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

जागो फैसले की घड़ी है

सभी को सियासत में अपनी पड़ी है
मुसीबत जहां थी वहीं पे खड़ी है
किए जा रहे हैं फकत घोषणाएं
अभी पास सबके तिलिस्मी छड़ी है
अगर चाहते हो चमन में महकना
तो जागो जरा फैसले की घड़ी है
तुम्हारे मतों पर है कायम सिंहासन
सभी की नजर अब तुम्हीं पे गड़ी है
बहुत काम बाकी है अब भी वतन में
प्रशासन है ढीला व्यवस्था सड़ी है
न जाने कहां जोश हमको ले जाए
अभी दास्तां हसरतों से बड़ी है
इसे भूख से प्यास से क्या गिला हो
जो हीरे जवाहर कनक से जड़ी है
दिखा देंगे इकदिन तुम्हें अपना जौहर
हमारी नजर में भी पुख्ता कड़ी है
यहां से वहां तक हैं 'नवरंग' कांटें
बढ़े पांव जब भी विवशता अड़ी है

{ लघुकथाएं }

अपना हित

भोला सुबह-सुबह काम की तलाश में घर से निकल चुका था। वह रोज दिहाड़ी मजदूरी करता है। इसी मजदूरी से उसके घर का चूल्हा जलता है। आज भी वह रोज की तरह घर से कुछ दूरी पर बने उस ठिकाने पर आकर खड़ा हो गया, जहां से शहर के लोग दिहाड़ी मजदूर लेकर जाते हैं। भोला यह सोच ही रहा था कि पता नहीं आज काम मिलेगा या नहीं? तभी वहां सफेद कुर्ता-पाजामा पहने एक व्यक्ति आया, भोला से बोला, 'तुम लोग आज के दिन भी मजदूरी करने जा रहे हो। यह तो गलत बात है।' 'क्यों गलत बात है?

आज ऐसा क्या है, जो हम मजदूरी नहीं कर सकते हैं?' भोला ने पूछा। 'आज श्रमिक दिवस है। इसे मई दिवस भी कहते हैं। यह तुम जैसे मजदूरों को अपने अधिकारों और हितों को समझने का दिन है। मैं तुम्हारे हित के लिए आया हूं। चलो हमारे साथ सामने वाले पार्क में, वहां एक बड़ी सभा है। एक बड़े नेताजी आ रहे हैं, उनका भाषण है। नेता जी तुम्हारे अधिकारों के बारे में बताएंगे। तुम्हारे हितों की बात करेंगे।' वह व्यक्ति बोला। भोला उस आदमी से बोला, 'अच्छा तो तुम हमारे हित के लिए आए हो। हम मजदूरों का हित तो अपनी मजदूरी करने में है। अगर आज हम काम नहीं करेंगे तो हमारे घर चूल्हा नहीं जलेगा।

हमारे बीवी-बच्चे भूखे रह जाएंगे। नेता जी के भाषणों से हमारे घर का चूल्हा नहीं जलेगा, हमारा पेट नहीं भरेगा। हमें मालूम है, चुनाव आ गए हैं। इस सभा में नेता जी जो बोलेंगे, उसके पीछे हमारा नहीं, उनका हित होगा। इतने सालों में नेता जी हम मजदूरों के हित की बात करने नहीं आए, अब चुनाव के समय उन्हें हमारी सुधि आई है। क्षमा करें श्रीमान जी, हम आपके नेता जी का भाषण सुनने नहीं जा पाएंगे।' यह सुनकर वह व्यक्ति चुपचाप वहां से चला गया। *

- ललित शौर्य

कच्चे पपीते

सुनो जी, ये इतने ढेर सारे कच्चे पपीते क्यों ले आए? घर में कोई पपीते पसंद नहीं करता। इनका मैं क्या करूं?' पत्नी ने झल्लाते हुए पति से कहा।

'अरे! भाग्यवान इनकी सब्जी बना लो या हलवा बना लो।' पति बोले। 'तुम्हें तो पपीते की सब्जी बिल्कुल पसंद नहीं है, हलवा बच्चे पसंद नहीं करते। मुझे समझ नहीं आया कि जब घर में कोई कच्चा पपीता पसंद नहीं करता तो तुम बेवजह इतने ढेर सारे कच्चे पपीते लेकर ही क्यों आए?' पत्नी और ज्यादा झल्लाकर बोली। 'सच बात बताऊंगा, तुम गुस्सा तो नहीं करोगी? वो क्या है कि सड़क किनारे एक वृद्धा कच्चे पपीते बेच रही थी।

वह किसी महिला से कह रही थी, बहन जी, पपीते ले लो। दो दिन से मेरे घर चूल्हा नहीं जला है। कम दाम में ले लो। किंतु उसका पपीता उसने क्या, किसी ने भी नहीं खरीदा। मुझे उस पर दया आ गई। मैंने उस वृद्धा से पूछा- माता जी, ये पपीते कितने पैसे में देंगी? तो वह बोली-बेटा, जो उचित लगे दे दो। भगवान तुम्हारा भला करेगा। क्या करूं बेटा, बहुत गरीब हूं। घर पर दो-चार पपीते के पेड़ हैं। वही जीने का सहारा हैं। पके पपीते कुछ दिन पहले बेचे थे। उससे दो दिन घर में चूल्हा जला, लेकिन अब पके पपीते नहीं हैं तो कच्चे ही तुड़वा कर लाई हूं ताकि मेरी छोटी सी पोती को खाने को भोजन मिल जाए। वो भी दो दिन से भूखी है। बहू-बेटे दो साल पहले कोरोना में नहीं रहे। तब से जैसे-तैसे गुजारा कर रही हूं। बस मैंने उसके सारे पपीते सौ रुपए में खरीद लिए।' पति ने डरते हुए सारी बात पत्नी से कह दी। यह सुनकर पत्नी भी दुखी होकर बोली, 'ओह! बेचारी गरीब वृद्धा को सौ नहीं दो सौ रुपए दे देना था ताकि वे लोग भरपेट खाना खा पाते।'

पति यह सुनकर पत्नी का मुंह देखते ही रह गए। *

- डॉ. शैल चंद्रा

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

जीतने की जिद

एक व्यक्ति की आवाज किस तरह उसकी जिंदगी के सारे फैसलों को नियंत्रित कर सकती है। खुशियों के सारे दरवाजे बंद कर सकती है। हीनभावना से भर सकती है। दोस्तों के आगे शर्मिंदा कर सकती है। आत्महत्या तक पहुंचा सकती है, इसका अंदाजा भगवंत अनमोल के उपन्यास 'गेरबाज' को पढ़कर लगा सकते हैं। अपनी बात को समय पर सही ढंग से न बोल पाना भी पीड़ादायक हो सकता है, यह आप इसे पढ़ते हुए महसूस करेंगे। इस किताब में लेखक ने बड़ी सूक्ष्मता से एक हकलाने वाले व्यक्ति की मनोदशा और उसके जीतने की जिद को चित्रित किया है। यह हकलाहट की समस्या पर लिखा गया एक पठनीय उपन्यास है। *

पुस्तकः गेरबाज (उपन्यास), **लेखकः** भगवंत अनमोल, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पेंगुइन स्वदेश), गुरुग्राम

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

गर्मी की छुट्टियों में अधिकतर लोग कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते ही हैं। अगर आप नेचर लवर हैं और एडवेंचरस ट्रैवलिंग का मजा लेना चाहते हैं तो इस बार जंगल सफारी के लिए जा सकते हैं। अपने घर से निकटतम किसी राष्ट्रीय उद्यान का चयन करें और निकल पड़ें। लेकिन इस दौरान आपको सफारी से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान भी रखना होगा।

अगर आप कर रहे हैं जंगल सफारी की प्लानिंग

एडवेंचर ट्रैवेलिंग / विवेक कुमार

भारत की अद्वितीय जैवविविधता की प्रसिद्धि हमारे देश में ही नहीं पूरी दुनिया में है। हर साल पूरी दुनिया से लाखों पर्यटक यहां घूमने के लिए आते हैं। पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, भारत के जंगलों में दुनिया के दुर्लभतम जानवर पाए जाते हैं। इन घने जंगलों, घास के मैदानों और दलदलों में स्थित भारत के जंगलों में देखने के लिए बहुत कुछ होता है। लोग यहां की सफारी करते हैं।

निर्देशों का पालन है जरूरी

अगर आप भी गर्मी की इन छुट्टियों में कहीं घूमने जाना चाहते हैं तो जंगल की सफारी का भी मजा ले सकते हैं। इसके लिए हालांकि पहले से बुकिंग करानी होती है और इसके कुछ नियम कायदे कानून होते हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है। हर

जंगल सफारी में अनुभवी गार्ड और पार्क के अधिकारियों द्वारा जो सुरक्षा निर्देश जारी किए जाते हैं, उनके बारे में पर्यटकों को पहले से अवगत कराया जाता है। उनकी जरा सी भी अनदेखी पर्यटकों के लिए ही नहीं बल्कि वन्यजीव दोनों की सुरक्षा के लिए खतरा साबित हो सकती है।

व्यक्तिगत गाड़ी से जाना प्रातिबंधित

जंगल सफारी के लिए सबसे पहला नियम तो यह है कि जंगल के भीतर आप अपना पर्सनल वाहन नहीं ले जा सकते हैं। इसके लिए जंगल प्रशासन द्वारा ही गाड़ी मुहैय्या कराई जाती है। सफारी के दौरान रंग-बिरंगे ड्रेसेस पहनने की बजाय ब्राउन और ग्रीन कलर की ड्रेसेस, जो वहां के वातावरण से मेल खाते हैं, उन्हें ही पहनकर जाना चाहिए। सफारी के दौरान गाड़ी से बाहर नहीं निकलना चाहिए। जानवरों को नजदीक से देखने का मोह नहीं पालना चाहिए। सफारी की गाड़ी खुली होती है, जिसमें आप इत्मीनान से जंगली जानवर को देख सकते हैं।

जानवरों के नजदीक जाने से बचें

हालांकि यह जरूरी नहीं कि आपको जानवर पास से देखने को मिलें, क्योंकि सफारी द्वारा जंगल के भीतर जो रास्ता बनाया जाता है, उसी सड़क पर चलना होता है। इन रास्तों को पर्यटकों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को मदेनजर रखते हुए बनाया जाता है। गाड़ी से बाहर निकलकर जानवर को नजदीक से देखने के चक्कर में या उसको करीब से फोटो लेने से भी बचना चाहिए। जंगल की सफारी में फ्लैश फोटोग्राफी की अनुमति नहीं दी जाती, क्योंकि कैमरे की फ्लैश से जानवर परेशान हो सकते हैं और वो घबराकर आप पर हमला भी कर सकते हैं। सफारी में किसी भी तरह का हथियार लेकर जाने की भी मनाही होती है। सफारी का उद्देश्य वन्यजीवों को दूर से देखना होता है। उनको बहुत करीब से देखने के चक्कर में उनके पास नहीं जाना चाहिए, क्योंकि इससे वे डर सकते हैं। यदि आपके साथ गाइड है तो आप उसे ज्यादा करीब ले जाने के लिए दबाव न डालें। सफारी से उतरकर इधर-उधर पैदल ना घूमें। इससे आप रास्ता भटक सकते हैं।

जानवरों को ना करें परेशान

जानवरों को देखकर उन्हें आवाजें लगाने से उनका प्राकृतिक व्यवहार बिगड़ सकता है। उनके पास जाकर अनावश्यक शोर नहीं करना चाहिए, ना ही संगीत बजाना चाहिए। तेज आवाज वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की मनाही होती है। यदि आपको जानवर पास से दिखाई दे तो उन्हें खाने के लिए कुछ नहीं दें। इससे उनको स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं।

पर्यावरण का रखें ध्यान

जंगल में खाने के लिए आप जो भी सामान लेकर जाते हैं, कोल्ड ड्रिंक की बोतल, पानी की बोतलें, चिप्स के पैकेट इन सबका कूड़ा वहां ना छोड़कर आएं बल्कि इन्हें अपने साथ लाएं। जंगल में रहने वाले स्थानीय आदिवासियों से भी अनावश्यक मेल-मिलाप ना करें। उनकी तस्वीर उनकी अनुमति के बगैर ना लें। आदिवासियों की संस्कृति और रीति-रिवाजों का सम्मान करें। यहां बताए गए नियमों का ध्यान रखेंगे तो निश्चित ही आपकी जंगल सफारी शानदार और हमेशा यादगार रहेगी। *

राज्य के अनुसार प्रमुख जंगल सफारी

- जवाई बांध तेंदुआ संरक्षण रिजर्व, राजस्थान
- काबिनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, कर्नाटक
- जिम कार्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड
- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम
- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल
- पेरियार राष्ट्रीय उद्यान, केरल
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक
- ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, महाराष्ट्र
- पेंच राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र

युवाओं में बढ़ रहा ई-बाइक्स का क्रेज

बेहतरीन फीचर्स, अट्रैक्टिव, कॉम्पैक्ट, स्पोर्टी, फंकी लुक और ट्रेंडी डिजाइंस के कारण ई-बाइक्स आजकल युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। इनकी खूबियों और आने वाले दौर में इनके ट्रेंड पर एक नजर।

ऑटो ट्रेंड / वी. कुमार

आज से कुछ साल पहले तक मोटर बाइक्स के मार्केट में ई-बाइक्स की डिमांड न के बराबर थी और युवाओं को तो ये ई-बाइक्स बिल्कुल भी पसंद नहीं आती थीं। लेकिन अब ई-बाइक्स को लेकर यंगस्टर्स की राय काफी बदल रही है।

यंगस्टर्स की बदल रही सोचः वैसे तो ई-बाइक्स हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं, लेकिन चूंकि बाइक्स ज्यादातर युवा चलाते हैं, इसलिए यह कहना सही होगा कि युवाओं को ये ज्यादा पसंद आ रही हैं। आंकड़ों की बात करें, तो ऑटो मोबाइल को लेकर युवाओं की पसंद-नापसंद पर नजर रखने वाली एक प्रसिद्ध अमेरिकी बिजनेस वेबसाइट के अनुसार- आज अमेरिका में 67 फीसदी ई-बाइक्स के मालिक पुरुष हैं और 33 फीसदी की महिलाएं। इंटरेस्टिंग फैक्ट यह है कि अमेरिका में जितनी भी ई-बाइक्स पिछले तीन सालों में बिकी हैं, उनमें 63 फीसदी के मालिक 18 से 44 साल के युवा हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिकी युवाओं को किस कदर पेट्रोल-फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं। गौरतलब है कि सिर्फ अमेरिका ही नहीं, दुनिया भर के युवाओं में ई-बाइक्स का क्रेज बढ़ा है।

पेट्रोल बाइक्स से बना रहे दूरीः पहले यह माना जाता था कि पॉवर और स्पीड के मामले में जो खूबी पेट्रोल वाहनों को हासिल है, वह इलेक्ट्रिक वाहनों को नहीं हासिल होगी। इसलिए यह अनुमान लगा लिया गया था कि आने वाले सालों में युवाओं को ई-बाइक्स पसंद नहीं आएंगी। लेकिन अब व्यावहारिक सच्चाई बदल चुकी है। आजकल ई-बाइक्स निर्माता दिन-ब-दिन इसके नए और अपडेटेड वर्जंस लांच कर रहे हैं। ऐसे में युवा-वर्ग इसकी ओर खासे आकर्षित हो रहे हैं। आज के युवा ई-बाइक्स को पेट्रोल बाइक्स के बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

लुक्स-फीचर्स भी हैं अट्रैक्टिवः ई-बाइक्स को फीचर्स के मामले में भी अब अट्रैक्टिव माना जाने लगा है। देखा जाए तो ई-बाइक्स के जितने खूबसूरत, ट्रेंडी और फंकी डिजाइंस पिछले दो सालों में आए हैं, उतने डिजाइंस तो कभी पेट्रोल-बाइक्स में भी नहीं आए। युवाओं द्वारा ई-बाइक्स पसंद किए जाने का एक कारण इनका अल्ट्रामॉडर्न लुक भी है।

बढ़ रही है स्पीडः पहले यह माना जा रहा था कि ई-बाइक्स की रफ्तार बहुत कम होगी, लेकिन ऐसा नहीं है। हालांकि अभी तक इनकी रफ्तार अधिकतम 50 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक ही है लेकिन उम्मीद है कि इस साल नवंबर-दिसंबर तक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार वाली ई-बाइक्स अमेरिका और यूरोप में आ जाएंगी। आने वाले सालों में सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली ई-बाइक्स भी सड़कों पर दौड़ने लगेंगी।

लगती हैं कंफर्टेबलः ई-बाइक्स, पेट्रोल-बाइक्स की तुलना में हल्की होती हैं, इसलिए ये युवाओं के साथ-साथ हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को पैडलिंग ई-बाइक्स भी खूब पसंद आ रही हैं। दरअसल, इनमें मोटर और बैटरी दोनों होती हैं, पर अगर दोनों ही काम न कर रहे हों तो पैडल मारने की सुविधा भी होती है। इन खूबियों के साथ पर्यावरण और भविष्य की चिंताओं से सरोकार रखने वाले युवाओं के साथ-साथ हर वर्ग के लोग पेट्रोल-बाइक्स के बेहतर विकल्प के तौर पर ई-बाइक्स को खूब पसंद कर रहे हैं।

और बढ़ेगा ट्रेंडः पिछले कुछ सालों में अमेरिका ई वाहनों का हब बनकर उभरा है। एक अनुमान के मुताबिक साल 2030 तक दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास ई-बाइक्स होंगी। ई-बाइक्स दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन हैं। यहां तक कि बिक्री के मामले में ये इलेक्ट्रिक कारों से भी बहुत आगे हैं। भारत के संदर्भ में अगर भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की भविष्यवाणी पर यकीन करें तो अगले पांच सालों में भारत में सभी तरह के वाहनों में करीब 30 फीसदी से ज्यादा ई-वाहन होंगे। इसलिए अगर आज युवाओं को पेट्रोल फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं तो मानना होगा कि वे भविष्य पर नजर रख रहे हैं। *

मौसमी फल / शिवचरण चौहान

ताजगी दे रसभरा तरबूज

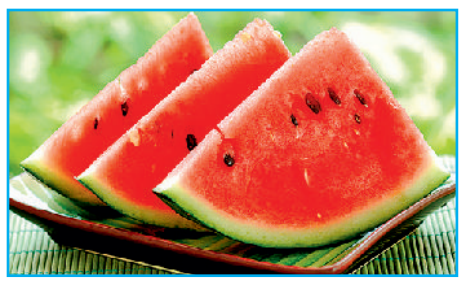

तीरा यानी तरबूज, बेल वाले पौधे में लगने वाला फल है। तरबूज यानी गर्मी में तन को तरावट देने वाला फल। यह गर्मी के मौसम में बालू वाली भूमि पर पैदा होता है। भारत में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार आदि प्रदेशों में भी यह बहुतायत से उत्पन्न होता है। नदियों की बलुई जमीन में इसकी बेल, आसानी से उग आती है। तरबूज खाने से प्यास शांत होती है और लू नहीं लगती है।

कहां हुई इसकी उत्पत्तिः तरबूज दुनिया में आया कहां से, इसको लेकर बहुत मतभेद हैं। भारत के लोग दावा करते आए हैं कि तरबूज हमारे देश का देशज फल है। दुनिया के लोग अभी तक इसे सूडान का फल मानते रहे हैं। सफेद गूदे वाले तरबूज के फल सूडान के जंगलों में पाए जाते थे, जो जानवरों को खिलाने के काम आते थे और कम मीठे होते थे। ईरान में लाल गूदे वाले तरबूज पाए जाते थे और माना जाता था कि ईरान के रेगिस्तान में तरबूज की उत्पत्ति हुई है लेकिन 3300 वर्ष पूर्व मिस्र के तूती खामीन के मकबरे में तरबूज के बीज मिले थे तो माना गया कि तरबूज की उत्पत्ति मिस्र में हुई होगी। फिर 4300 वर्ष पूर्व की एक पेंटिंग मिस्र के एक गुंबद में मिली, जिसमें एक तश्तरी में कटे हुए तरबूज के लाल रंग की फांके के चित्र बने हुए हैं। इस आधार पर लोग मानने लगे कि मिस्र के लोग लाल गूदे वाले मीठे तरबूज के बारे में बहुत पहले से जानते थे। आज तरबूज पूरी दुनिया में प्यास बुझाने के लिए गर्मियों का एक प्रमुख फल है।

मौजूद प्रमुख तत्वः एक पके तरबूज में 90 प्रतिशत जल, 0.4 प्रतिशत प्रोटीन, 0.3 प्रतिशत वसा, 0.3 प्रतिशत खनिज तत्व, 4 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और लोहा भी पाया जाता है। तरबूज के बीजों में 52 प्रतिशत तेल, 34 प्रतिशत प्रोटीन और अन्य तत्व होते हैं। बीजों की तासीर शीतल होने के कारण शरबत और लस्सी को बनाने में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

कई रोगों में उपयोगीः तरबूज के बीज की गिरी मूत्र रोग में रामबाण है और मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करती है। नियमित तरबूज खाने से पेट की खराबी में राहत मिलती है। सूखी खांसी के मरीज को लाभ मिलता है और उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है। जोड़ों के दर्द में यह उपयोगी है। यह रक्त वर्धक भी होता है। लेकिन तरबूज अधिक नहीं खाना चाहिए। *

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

शुरुआती दौर से ही अलग-अलग जॉनर में हिंदी फिल्में बनती रही हैं। लेकिन उनमें से जिस जॉनर की फिल्में दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, उनमें सस्पेंस-थ्रिलर प्रमुख हैं। किस तरह ये फिल्में दर्शकों को अंत तक बांधे रखती हैं, अब तक की सबसे चर्चित सस्पेंस फिल्में कौन-सी रही हैं, इन पर एक नजर।

दर्शकों को भाती हैं खूब क्लाइमेक्स पर चौंकाने वाली फिल्में

फिल्मी पर्दे पर दर्शक अलग-अलग रंग देखते रहे हैं। उन्हीं में से एक रंग है फिल्म के अंत का रोमांच बनाकर रखना। शुरुआती दौर में इन फिल्मों के क्लाइमेक्स को इतना रोचक बनाया जाता था कि दर्शक समझ नहीं पाता कि ऐसा कैसे संभव है? ऐसी फिल्मों का अंत कुछ ऐसा होता था, जो देखने वालों को चौंकाता था। इनके कथानक को कुछ इस तरह रचा जाता था कि दर्शक उसके आकर्षण में फंस जाते थे। वे कहानी के ट्विस्ट की असलियत समझ नहीं पाते और जब राज खुलता तो ऐसा पात्र संदेहों से घिरा मिलता, जिस पर किसी की नजर नहीं जाती थी। सस्पेंस फिल्मों में चौंकाने वाले इस तरह के अंत का दौर अभी खत्म नहीं हुआ है।

नया नहीं थ्रिलर का क्रेजः पुराने दौर से लेकर अब तक कई थ्रिलर फिल्में आती रही हैं, लेकिन सभी दर्शकों को बांधने में सफल नहीं हो पाईं। याद वही फिल्में रहती हैं, जिन्होंने अपनी पटकथा और डायरेक्शन का जादू दिखाया। पुरानी फिल्मों में 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'इत्तेफाक', 'गुमनाम' और आज के दौर की 'ए वेडनस-डे', 'बदला', 'हमराज', '100 डेज' के बाद आयुष्मान खुराना की फिल्म 'अंधाधुन' और अजय देवगन की दोनों 'दृश्यम' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनके क्लाइमेक्स ने दर्शकों को चौंकने पर मजबूर कर दिया था। 'अंधाधुन' ने तो एक नया ट्रेंड बना दिया। इसमें एक अंधे आदमी का किरदार काफी रहस्यमय था। फिल्म की कहानी इसी के आस-पास घूमती है। इस पूरी फिल्म में अच्छा-खासा सस्पेंस बनाकर रखा गया।

विजय आनंद ने की शुरुआतः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हिंदी फिल्मों में मर्डर मिस्ट्री और सस्पेंस फिल्मों की शुरुआत का श्रेय विजय आनंद को जाता है। उन्होंने 'तीसरी मंजिल' और 'ज्वेल थीफ' उस दौर में बनाने की हिम्मत की, जब दर्शकों को ऐसी कहानियों का अंदाजा भी नहीं था। पर, विजय आनंद ने दर्शकों पर अपना जादू चलाया और उनकी ऐसी कई फिल्में पसंद की गईं। उन्होंने ऐसे कई प्रयोग किए, जो सस्पेंस से लबरेज थे।

दर्शकों को भाती हैं ऐसी फिल्मेंः सस्पेंस और थ्रिलर हमेशा ही दर्शकों का पसंदीदा फिल्म जॉनर रहा है। उन्हें ऐसी सस्पेंस फिल्में ही ज्यादा पसंद आती हैं, जिसके अंत के बारे में सारे अनुमान गलत निकलें। फिल्म के क्लाइमेक्स में ऐसा शख्स सामने आए, जिसका दर्शकों ने अनुमान भी नहीं लगाया हो! ऐसी ही फिल्में दर्शकों को बांधने वाली होती हैं। इसीलिए दर्शक सस्पेंस, थ्रिलर और मर्डर मिस्ट्री देखना पसंद करते हैं। हालांकि ये तीनों ही अलग-अलग शैलियां हैं। थ्रिलर फिल्मों में एक्शन होता है, लेकिन सस्पेंस नहीं। उनमें सस्पेंस की घटनाएं होती हैं, जिनका राज धीरे-धीरे खुलता रहता है। सस्पेंस फिल्म में न तो रहस्य जरूरी है और न एक्शन। इनमें चौंकाने वाले सीन ज्यादा होते हैं, जो दर्शक को सोचने का मौका भी नहीं देते। मिस्ट्री और सस्पेंस थ्रिलर फिल्में एक जैसी नहीं होती हैं। दोनों का ट्रीटमेंट अलग-अलग होता है। सस्पेंस फिल्मों में राज धीरे-धीरे खुलते हैं पर, मिस्ट्री फिल्मों में सिर्फ एक राज होता है, जिस पर से फिल्म के अंत में पर्दा उठता है। पूरी कहानी अनजान हत्यारे की खोज पर आधारित होती है। संदेह के लिए कई पात्रों को निशाने पर रखा जाता है। कभी फिल्म के नायक, नायिका या सबसे शरीफ पात्र के भी कातिल होने के हालात निर्मित किए जाते हैं। यानी दर्शकों को बांधने और उनका ध्यान बांटने के लिए कई हथकंडे रचे जाते हैं। दर्शकों को भी वही सस्पेंस फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं, जो उन्हें चौंका दें। 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'कत्ल' के बाद 'गुप्त' ऐसी ही रोचक फिल्में थीं, जिसके अंत का अंदाजा अनुमान से अलग था।

ये फिल्में रही हैं चर्चितः रामगोपाल वर्मा की 'कौन' को बॉलीवुड की बेस्ट साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म कहा जाता है। यह पूरी फिल्म घर में बंद एक लड़की (उर्मिला मातोंडकर) की कहानी है, जो अजनबी (मनोज बाजपेयी) से बचने की कोशिश में रहती है। लेकिन, फिल्म का क्लाईमेक्स दर्शकों के होश उड़ा देता है। इसी तरह की फिल्म 'फोबिया' भी थी, जिसमें राधिका आप्टे ने काम किया। बॉबी देओल, काजोल और मनीषा कोइराला की 'गुप्त' बेहतरीन सस्पेंस थ्रिलर फिल्म थी। इसमें अंत तक किसी का ध्यान नहीं जाता और खलनायिका काजोल निकलती है। विद्या बालन की 'कहानी' और 'कहानी-2' दोनों ही फिल्में दर्शकों को अंत तक कुर्सी से बांधकर रखती हैं। 'बदला' को भी मर्डर मिस्ट्री फिल्म माना जाता है। इसे अंत तक देखने के बाद ही समझ आता है कि आखिर सच्चाई क्या है?

हाल के वर्षों में आई सस्पेंस फिल्मों में 'दृश्यम' सीरीज सबसे अच्छी मानी जा सकती है। इसमें अपराधी सामने होता है, लेकिन न तो पुलिस उसे पकड़ पाती है और न दर्शकों को समझ आता है कि उसने ये सब किया कैसे होगा?

इन्हें भी किया दर्शकों ने पसंदः यहां ऊपर जिन फिल्मों का जिक्र किया गया उनके अलावा कुछ और फिल्में जैसे- 'मेरा साया', 'धुंध', 'अपराधी कौन', 'कब क्यों और कहां', 'वो कौन थी', 'डिटेक्टिव व्योमकेश बक्शी', 'भूल-भुलैया', 'तलवार' का भी जादू दर्शकों पर जमकर चला। *

मेल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा

गर्मी के मौसम में अधिकतर यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ ट्रेंडी भी हों। यही वजह है कि इन दिनों चिनो शॉर्ट्स यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं। इनकी खासियतों के बारे में आप भी जानिए।

यंगस्टर्स को भा रहे हैं कंफर्टेबल चिनो शॉर्ट्स

गर्मी के मौसम में हम सभी ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल हो और जिसमें गर्मी का अहसास भी कम हो। ये दोनों खूबियां चिनो शॉर्ट्स में मौजूद होती हैं, इसीलिए यंगस्टर्स इन्हें काफी पसंद करते हैं। चिनो शॉर्ट्स, शुद्ध सूती कपड़े के बने होते हैं। यानी इनका फैब्रिक, कपास (कॉटन) से बना होता है। इसलिए गर्मी के मौसम में पहनने के लिए चिनो शॉर्ट्स परफेक्ट माने जाते हैं।

वैरायटीज हैं बहुतः वैसे तो चिनो शॉर्ट्स में आपको कलर्स और डिजाइन की बहुत वैरायटीज मिल जाएंगी लेकिन इस साल खाकी चिनो शॉर्ट्स ट्रेंड में हैं। वैसे आप अपनी पसंद के किसी दूसरे कलर का चिनो शॉर्ट्स भी ले सकते हैं। वैरायटी की लंबी रेंज की वजह से ही यंगस्टर्स ही नहीं हर एज ग्रुप के लोग इसे पहन सकते हैं। देश-विदेश में कई ब्रांडेड कंपनियां चिनो शॉर्ट्स बनाती हैं। इसकी वजह यह है कि पूरी दुनिया में इन दिनों युवाओं के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शॉर्ट्स, चिनो शॉर्ट्स ही हैं।

ऐसे करें टीमअपः यह कहना गलत नहीं होगा कि चिनो शॉर्ट्स पिछले कुछ समय से युवाओं की ग्लोबल फेवरेट बॉटम वियर बन गए हैं। इन्हें टैक्सीडो जैकेट और फ्लिप-फ्लॉप डेक शूज के साथ या फिर लूज टी-शर्ट या स्निकर के साथ टीमअप किया जा सकता है।

नॉर्मल शॉर्ट्स से हैं अलगः चिनो शॉर्ट्स के फैब्रिक और डिजाइन के कारण ये नॉर्मल-ट्रेडिशनल शॉर्ट्स से अलग होते हैं। वैसे तो नॉर्मल शॉर्ट्स की तरह चिनो शॉर्ट्स भी थिन कॉटन टवील फैब्रिक से बने होते हैं। लेकिन थोड़ी इलास्टिसिटी के लिए इनमें तीन से पांच फीसदी तक नॉनकॉटन मैटीरियल भी मिलाया जाता है।

होते हैं कंफर्टेबलः चिनो शॉर्ट्स कई देशों समेत अपने देश में भी इसलिए तेजी से पॉपुलर हो रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में हमारी त्वचा को जब चिपचिपाहट और उसम के कारण अनकंफर्टेबल फील होता है, तब चिनो शॉर्ट्स वियर करना बहुत कंफर्टेबल लगता है। चिनो शॉर्ट्स का लाइट और सॉफ्ट फैब्रिक न सिर्फ घर में फुर्सत के समय बल्कि सफर के दौरान भी पहनना आरामदायक होता है। चिनो शॉर्ट्स पहनने में जो बात सबसे अच्छी महसूस होती है, वह होती है फ्री बॉडी मूवमेंट। इसे पहनकर आप आराम से किसी भी दिशा में झुक सकते हैं, मूव कर सकते हैं। ये

बिल्कुल शरीर की गतिविधियों के मुताबिक अपने आप एडजस्ट हो जाते हैं। इसलिए इन्हें पहनने में सुविधा महसूस होती है। चिनो शॉर्ट्स का डिजाइन भी अट्रैक्टिव होता है। इसलिए इसे पहनकर स्मार्ट फीलिंग भी आती है।

जब सेलेक्ट करें शॉर्ट्सः इन दिनों गर्मी का मौसम है। इस दौरान अगर आप चिनो शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि वे कॉटन फैब्रिक के ही बने हों। एक और बात ध्यान रखनी चाहिए कि शॉर्ट्स बहुत लूज या बहुत हैवी नहीं होने चाहिए। पहनने में आपको कंफर्टेबल फील होना चाहिए। अगर घूमने, फिरने के दौरान शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो ध्यान रखें ये थिन, लूज और कैजुअल बीच शॉर्ट्स होने चाहिए। वैसे चिनो शॉर्ट्स ज्यादातर गर्मियों में पहने जाते हैं, लेकिन 12 से 30 सेंटीमीटर लंबे ये शॉर्ट्स किसी भी अन्य मौसम में भी पहने जा सकते हैं। *